सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

विश्व चैंपियनशिप फाइनल में नीरज असफल रहे, सचिन यादव ने चौथा स्थान हासिल किया -पेज: 7

बॉलीवुड आउटसाइडर्स के लिए बिल्कुल बंद था मैं किसी तरह कामयाब हुई: प्रियंका चोपड़ा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 162 | शुक्रवार 19 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

नीतीश कुमार ने धार्मिक न्यास समागम का किया उद्घाटन, साधु-संतों का मिला आशीर्वाद

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र स्थित बापू सभागार में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद द्वारा आयोजित धार्मिक न्यास समागम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित बड़ी संख्या में साधु-संतों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी साधु-संतों एवं गणमान्य व्यक्तो का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद द्वारा हरित पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, सांसद सह जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय कुमार झा, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री अशोक चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डे, पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्री हरी सहनी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष डॉ० रणवीर नंदन, राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य श्री सायन कुणाल

वोट चोरी मामले में इलेक्शन कमीशन राहुल गांधी पर सख्त, कहा- 'आरोप गलत और निराधार'

नई दिल्ली (एजेंसी): लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग पर वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटरों के नाम डिलीट करने की घटना का हवाला देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। इस पर चुनाव आयोग ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा की, जिसमें राहुल के सभी आरोपों को गलत और निराधार बताया गया। राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस समाप्त होने के कुछ ही मिनटों बाद चुनाव आयोग ने अपना जवाब जारी किया। आयोग की पोस्ट में कहा गया, "राहुल गांधी के आरोप गलत और निराधार हैं।" आयोग ने अपनी पोस्ट

के माध्यम से कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को स्पष्ट किया, जिसमें वोट डिलीट करने की प्रक्रिया और संबंधित घटनाओं का उल्लेख शामिल है। चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण आयोग ने कहा कि कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन वोटरों के नाम डिलीट नहीं कर सकता। राहुल गांधी ने इस संबंध में गलत जानकारी दी है। वोटर के नाम डिलीट करने से पहले प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का पूर्ण अवसर प्रदान किया जाता है। 2023 में कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटरों के नाम डिलीट करने की एक असफल कोशिश की गई थी, जिसके खिलाफ चुनाव आयोग ने स्वयं प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करवाई। चुनाव परिणामों के संदर्भ में आयोग ने बताया कि आलंद विधानसभा क्षेत्र से 2018 में भाजपा के सुबोध गुट्टेदार विजयी हुए थे, जबकि 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बी.आर. पाटिल ने जीत हासिल की। राहुल गांधी के आरोप प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कर्नाटक के आलंद में वोट चोरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा, "कर्नाटक के आलंद में वोट चोरी हुई। हमने चोरी पकड़ ली। बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) ने देखा कि उनके रिश्तेदार का वोट डिलीट कर लिया गया था। उन्होंने पता लगाया तो पता चला कि पड़ोसी ने डिलीट किया। पड़ोसी ने मना कर दिया कि मैंने नहीं किया है।" राहुल ने इस घटना को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आयोग वोट चोरों को बचा रहा है, जो संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी की मांगें राहुल गांधी ने चुनाव आयोग से स्पष्ट मांग की कि वह उन लोगों को संरक्षण न दें, जो लोकतंत्र को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमारी मांग है कि ज्ञानेश कुमार उन लोगों को ना बचाएं, जो लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी मांग है कि चुनाव आयोग एक हफ्ते के अंदर कर्नाटक सीआईडी को जवाब दे। हमें संविधान ने ताकत दी है, हमारी लड़ाई संविधान बचाने की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उनको बचा रहे हैं, जो संविधान को कमजोर कर रहे हैं।" यह विवाद कर्नाटक विधानसभा चुनावों से जुड़े मुद्दों को फिर से सुर्खियों में ला रहा है, जहां विपक्ष ने पहले भी चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए थे। चुनाव आयोग की ओर से अब तक कोई अतिरिक्त बयान जारी नहीं किया गया है।

चुनाव आयोग ने तुरंत जवाब देते हुए ...

लोकसभा में राहुल गांधी ने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटरों के नाम डिलीट किए जाने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाया। चुनाव आयोग ने तुरंत जवाब देते हुए

हिमाचल में मानसून की महातबाही: 419 मौतें, करोड़ों का नुकसान और हजारों घर तबाह!

हिमाचल (एजेंसी): हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने 20 जून से शुरू हुए 2025 के मानसून सीजन में व्यापक क्षति और हताहतों का विवरण देते हुए एक संचयी रिपोर्ट जारी की है। 17 सितंबर, 2025 तक अद्यतन की गई इस रिपोर्ट में राज्य भर में कुल 419 मौतों की पुष्टि की गई है। कुल मौतों को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है: वर्षा संबंधी मौतें और सड़क दुर्घटना से हुई मौतें। वर्षा संबंधी मौतों के अंतर्गत विभिन्न वर्षाजनित घटनाओं में 237 लोगों की मौत हुई है। इनमें से सबसे अधिक मौतें भूस्खलन (52 मौतें) से हुईं, इसके बाद पेड़ों/खड़ी चट्टानों से गिरने (45 मौतें), डूबने (40 मौतें),

बादल फटने (17 मौतें) और अचानक बाढ़ (11 मौतें) से हुईं। इस बीच, मानसून सीजन के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में 182 अतिरिक्त मौतें हुई हैं। मानसून ने निजी और सार्वजनिक दोनों तरह की संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुँचाया है। सार्वजनिक संपत्ति को कुल मिलाकर 4,59,536.54 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। रिपोर्ट में प्रमुख बुनियादी ढाँचे को हुए भारी नुकसान का विवरण दिया गया है, जिसमें पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) को 1,41,387.8 लाख रुपये का नुकसान शामिल है। जल शक्ति विभाग (जेएसवी) को 13,946.69 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। बिजली विभाग को 2,045.05 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घरों को भी भारी नुकसान हुआ है, 583 पक्के घर और 1676 कच्चे घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 934 पक्के घर और 2150 कच्चे घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। हिमाचल पुलिस ने एक्स पर पोस्ट किया, "15-16 सितंबर की रात को सोनखड़, धर्मपुर इलाके में अचानक आई भारी बाढ़ ने बस स्टैंड, बाजार और आसपास के घरों को प्रभावित किया। मंडी पुलिस ने एसडीआरएफ के साथ मिलकर तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू किया।" हालाँकि, हिमाचल पुलिस ने गुरुवार को बताया कि 2 लोग अभी भी लापता हैं और उन्हें ढूंढने के प्रयास जारी हैं।

पंजाब के दर्द का तुच्छ राजनीति के लिए इस्तेमाल क्यों? भाजपा का राहुल गांधी पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी): भाजपा नेता अमित मालवीय ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की आलोचना की और उन पर पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के कारण पशुओं के नुकसान और आर्थिक क्षति के बारे में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, मालवीय ने दावा किया कि राहुल गांधी के आंकड़े राज्य के आधिकारिक आंकड़ों से कोसों दूर हैं और उन पर "तुच्छ राजनीति" के लिए पंजाब के दर्द का फायदा उठाने का आरोप लगाया। उनकी यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए एक पत्र के बाद आई है, जिसमें उन्होंने पंजाब के लिए एक व्यापक राहत पैकेज की मांग की थी। इस पत्र में कहा गया था कि राज्य को बाढ़ के कारण कम से

कम 20,000 करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है और 10 लाख से ज्यादा जानवर मारे गए हैं। पंजाब सरकार के आंकड़ों का हवाला देते हुए, भाजपा नेता ने दावा किया कि 10 लाख से ज्यादा की बजाय, केवल 34,000 जानवर मारे गए हैं और राज्य को 20,000 करोड़ रुपये का नहीं, बल्कि 13,289 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मालवीय ने एक्स पर पोस्ट किया कि राहुल गांधी का एक और झूठ का पुलिंदा। प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में, उन्होंने दावा किया है कि 10 लाख पशु मारे गए हैं। लेकिन पंजाब के पशुपालन मंत्री गुरमीत सिंह खुदियाँ 7 सितंबर ने यह आँकड़ा 19,041 मुर्गी सहित बताया था, जो अब लगभग 34,000 बताया जा रहा है। लापता 9.44 लाख पशु कहाँ गए? पंजाब के मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य का नुकसान 13,289 करोड़ है। राहुल गांधी इसे बढ़ा-चढ़ाकर 20,000 करोड़ बता रहे हैं। यह जानबूझकर झूठ क्यों? जहाँ केंद्र सरकार बाढ़ प्रभावित पंजाब को पूरी मदद दे रही है, वहीं राहुल गांधी पंजाबियों को राजनीतिक मोहरा बनाने में व्यस्त हैं। पंजाब के दर्द का इस्तेमाल तुच्छ राजनीति के लिए क्यों किया जाए? कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पंजाब के लिए एक व्यापक राहत पैकेज की मांग की है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण राज्य को कम से कम 20,000 करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है और केंद्र सरकार द्वारा घोषित 1,600 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राहत राज्य के लोगों के साथ "घोर अन्याय" है।

प्रधानमंत्री मोदी 25 सितंबर को बांसवाड़ा में परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 सितंबर को राजस्थान के बांसवाड़ा में एक परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे। वह बांसवाड़ा में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आज बैठक की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बांसवाड़ा का दौरा किया। उन्होंने बांसवाड़ा में संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री मोदी 25 सितंबर को परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखने के लिए बांसवाड़ा आएंगे। प्रस्तावित परियोजना में 45,000 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है और यह ऊर्जा विकास के क्षेत्र में राजस्थान के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा, यह राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। तैयारियां चल रही हैं और पार्टी नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल

शर्मा और अन्य नेता कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता में योगदान देगी। उन्होंने कहा, यह परियोजना प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जहां देश बिजली, पानी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अपने पैरों पर खड़ा होगा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राठौड ने कहा कि अपने राजनीतिक फायदे के लिए समाज को बांटने की कोशिश करने वाली ताकतों को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने किया सेवा पर्व का शुभारंभ, पौधरोपण कर दिया हरियाली का संदेश

पटना (एजेंसी): पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और हरित बिहार बनाने के उद्देश्य से बुधवार को पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से सेवा पर्व की शुरूआत की गई। इस अवसर पर शहर के वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पौधा रोपण किया। इनके साथ दीघा विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव चौरसिया, कुम्हरार विधायक अरूण कुमार सिन्हा, विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) पी के गुप्ता, मुख्य वन संरक्षक (प्रशासन एवं मानव संसाधन) सुरेंद्र सिंह सहित जीसस मेरी कॉन्वेंट एवं एमएस सिपारा स्कूल के बच्चों ने भी पौधारोपण कर हरियाली का संदेश दिया। मौके पर पीसीसीएफ हॉफ पीके गुप्ता ने स्कूली बच्चों को भविष्य बताते हुए एक पेड़ मां के नाम लगाकर हरित बिहार बनाने में योगदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हरियाली को बढाएंगे और प्रदूषण को कम करेंगे। इस

सेवा पर्व के दौरान पूरे राज्य में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा जिसके तहत 2.8 लाख पौधों का रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान 17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। इस दौरान राज्य भर में कुल 3.58 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा, जबकि निर्धारित लक्ष्य 2.80 लाख पौधों का है। सेवा पर्व के दौरान सिर्फ सरकारी प्रयास नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय जन-प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं, विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थान, क्लब एवं समाज के अन्य वर्ग भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। विशेष रूप से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अब तक 71.71 लाख पौधारोपण की प्रविष्टि मेरी लाइफ पोर्टल पर दर्ज की जा चुकी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के माध्यम से यह अभियान आम नागरिकों को भी जोड़ने का प्रयास कर रहा है, ताकि हर व्यक्ति वृक्षारोपण की महत्ता को समझते हुए एक पेड़ जरूर लगाए। अधिकारियों ने अपील की है कि लोग इस सेवा पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने परिवार, समाज व राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए हरियाली का योगदान दें। इस अवसर पर जू निदेशक हेमंत पाटिल, इको-टूरिज्म सीएफ सत्यजीत कुमार, पटना पार्क प्रमंडल के डीएफओ राजीव कुमार, पटना वन प्रमंडल के डीएफओ गौरव ओझा, मुख्यालय मुख्य वन संरक्षक सह राज्य नोडल अधिकारी एस चंद्रशेखर के साथ विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

'वोटर अधिकार यात्रा' नहीं, 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' है राहुल की', अमित शाह का कांग्रेस पर तीखा हमला

बिहार (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बिहार के रोहतास जिले में वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' को 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' करार देते हुए कांग्रेस पर विकास के मुद्दों को नजरअंदाज करने और बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। शाह ने बीजेपी कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे जनता को विपक्ष की मंशा से अवगत कराएं। कांग्रेस फेक नैरेटिव फैलाती है: अमित शाह रोहतास के डेहरी में 10 जिलों के चयनित कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "कांग्रेस हर बार फेक नैरेटिव फैलाती है। राहुल गांधी ने एक यात्रा की... उनकी यात्रा का विषय वोट चोरी नहीं था। उनका विषय अच्छी शिक्षा, रोजगार, बिजली, सड़कें नहीं था, बल्कि बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठियों को बचाना था। यह राहुल गांधी की घुसपैठिया बचाओ यात्रा थी।" शाह ने कांग्रेस की यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा, "क्या घुसपैठियों को वोट का अधिकार या मुफ्त राशन होना चाहिए? क्या घुसपैठियों को नौकरी, घर, 5 लाख रुपये तक का इलाज मिलना चाहिए? हमारे युवाओं के बजाय राहुल गांधी वोट बैंक के लिए

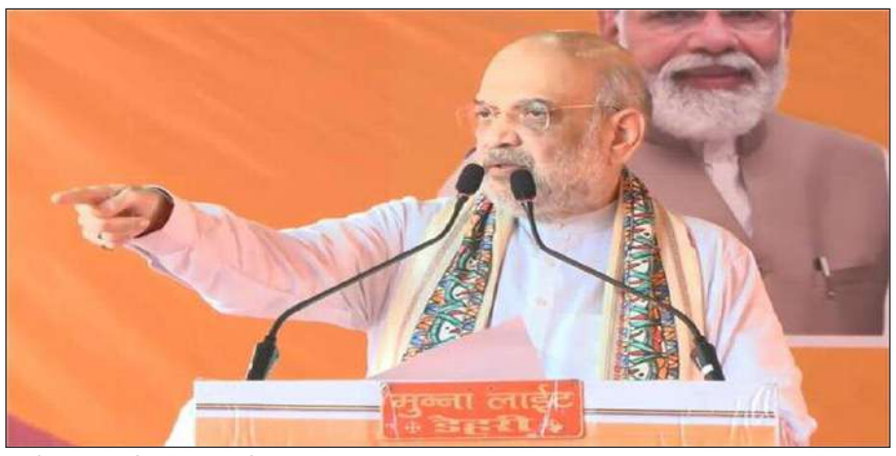

घुसपैठियों को नौकरी दे रही है।" कांग्रेस की यात्रा का उद्देश्य घुसपैठियों को बचाना राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कार्यकताओं से कहा, "आप (बीजेपी कार्यकर्ता) जानते हैं कि इसका उद्देश्य क्या था? इसका उद्देश्य बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की रक्षा करना था। आपको पूरे राज्य में जाना चाहिए, हर घर में जाना चाहिए और लोगों को बताना चाहिए कि यदि वे (विपक्षी गठबंधन) सत्ता में आ गए तो बिहार का हर जिला घुसपैठियों से भर जाएगा।" केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस नेताओं की पुरानी रणनीति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने पहले भी इसी तरह की रणनीति अपनाई थी जब उन्होंने आरोप लगाया था कि हम अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।" एनडीए सरकार को मजबूत बनाना होगा अमित शाह ने बिहार की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अन्य दलों में नेता चुनाव जीतते हैं, लेकिन बीजेपी ऐसी पार्टी है जहां कार्यकर्ता ही चुनाव जीतते हैं। उन्होंने कहा, "बिहार की जनता ने आरजेडी और उनके सहयोगियों को सरकार चलाने का मौका दिया, लेकिन वहां फिरौती और हत्या जैसी घटनाएं होने लगीं। इससे राज्य की समृद्धि नहीं हो सकती। अगर युवाओं को आगे बढ़ना है और बिहार को विकास की राह पर ले जाना है, तो आने वाले चुनाव में एनडीए की सरकार को वोट देकर मजबूत बनाना होगा।" यह बयान बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक तापमान को और बढ़ाने वाला है, जहां बीजेपी और विपक्षी गठबंधन के बीच घुसपैठ, विकास और चुनावी प्रक्रिया जैसे मुद्दों पर तीखी बहस छिड़ी हुई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के रोहतास जिले में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' करार देते हुए कांग्रेस पर विकास मुद्दों को नजरअंदाज कर अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। शाह ने बीजेपी कार्यकताओं को...

संपादकीय

आपदाओं के सितम

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तराखंड में बारिश से राहत मिलने के फिलहाल कोई आसार नहीं हैं। देहरादून और नैनीताल में भारी बारिश, गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। देहरादून के सहस्त्रधारा में बादल फटने के बाद भारी तबाही हुई है। नदियों में उफान से कई लोगों की मौत हो गई है और ढेरों लापता हैं। उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तेरह पुल प्रभावित बताए जा रहे हैं। ऋषिकेश में चन्द्रभागा नदी का जलस्तर सामान्य से ऊपर होने के चलते विशेष चेतावनी दी गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल जलधाराओं में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में भारी मशक्कत कर रहा है। राज्य की सड़कें, पुल, बिजली की तारें, संचार व्यवस्था सब बुरी तरह प्रभावित होने से स्थानीय नागरिकों का जीना बेहाल है। जिन परिवारों के घर बह गए या ढह गए, उनकी रिहाइश और जीवन यापन की आवश्यकताओं को लेकर भारी दिक्कते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा चुकी हैं। राहत, बचाव व पुनर्वास के दावे जिस तरह सरकार करती है, जमीनी स्तर पर प्रभावित लोगों तक पहुंचना मुमकिन नहीं होता। जनता बेहाल है, जिस तक पहुंचने के साधन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। मानसून ने इस वर्ष देश के विभिन्न हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल में भारी बारिश और भूस्खलन के चलते चार सौ से अधिक मौतें हो चुकी हैं। हालांकि यह मानसून का अंतिम चरण है। मगर बादल फटने या भूस्खलन ने तबाही मचाई हुई है। बिहार के कुछ इलाके अभी भी जलमग्न हैं, और कुछ क्षेत्रों में भारी बरसात की चेतावनी है। प्रति वर्ष भारी संख्या में नागरिकों को स्वास्थ्य, बिजली, परिवहन, रिहाइश के अतिरिक्त रोजगार के संकट भी बुरी तरह जूझना पड़ता है। ये प्राकृतिक आपदाएं नहीं हैं, बल्कि मौसमी मार है, जिससे जूझने के प्रति सरकारों के पास कोई खाका नहीं है। मौसम विज्ञानियों के चेताने के बावजूद सरकारी महकमा आपदा आने तक प्रतिक्षारत रहता है। पीड़ितों को जो या जिस तरह की राहत मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पाती। बरसाती पानी घटने या बाढ़ के बाद होने वाली जल-जनित बीमारियों, संक्रामक रोगों, मकानों, भवनों, पशुओं व रोजगार की व्यवस्था को लेकर दिन-रात एक करना मजबूरी हो जाती है। बाढ़ व बरसात के चलते अर्थव्यवस्था व उपज पर पड़ने वाली क्षति को रोक पाना लगभग असंभव है। मगर सरकारी तंत्र को मौसमी मार के पूर्व व उपरांत की समस्याओं से जूझने के तरीके सलीके से इख्तियार करने होंगे।

चिंतन-मनन

सम्मान करो संपूर्णता से

तुम किसी का सम्मान उसकी ईमानदारी, बुद्धिमत्ता, प्रेम और कार्य कुशलता जैसे सद्गुणों के लिए करते हो परंतु समय के साथ-साथ इन गुणों में परिवर्तन आता है। जिसके कारण तुम उनका सम्मान नहीं कर पाते। तुम केवल सद्गुणों का, महानता का सम्मान करते हो। मैं संपूर्णता से हर एक का सम्मान करता हूं। इसीलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मेरा सम्मान कम नहीं होता। सम्मान पाने के लिए किसी को महान होने की आवश्यकता नहीं। जीवन का सम्मान महान बनाता है। दूसरों से सम्मान की अपेक्षा मत करो। यह कमजोर बनाता है। आत्मा का सम्मान करो। तब कोई तुम्हारे आत्म सम्मान को ले नहीं सकता। जब कोई तुम्हें सम्मान देता है, तो इसलिए नहीं कि तुममे कुछ विशेष गुण हैं। यह उनकी महानता और उदारता के कारण है। यदि तुम कहते हो, ईश्वर महान है, यह तुम्हें महान बनाता है। ईश्वर तो महान हैं ही- तुम्हारे कहने से ईश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता। जब तुम किसी को सम्मान देते हो, यह तुम्हारी विशालता दशार्ता है। यदि तुम सबका सम्मान करते हो तो उतना अधिक तुम्हारा मोल है। वह ज्ञानी है, जो सबका सम्मान करता है। सम्मान देना उन्नत चेतना का गुण है। आत्मा के प्रति सम्मान निष्ठा है और निष्ठा है उन्मुक्त होना। जिस प्रकार तुम मुझे सम्मान देते हो, उसी तरह सबको सम्मान दो। परंतु जो अपेक्षा तुम सबसे करते हो, वह सबसे मत करो। प्रायः तुम इसका उल्टा करते हो। तुम सबको वह आदर नहीं देते, जो मुझको देते हो पर आशा करते हो कि वे तुम्हें खुशी दें, तुमसे उत्तम व्यवहार करें। जब उनका व्यवहार तुम्हारी अपेक्षानुसार नहीं होता, तब तुम निराश होते हो और उनको दोषी ठहराते हो, उनकी निन्दा करते हो। निन्दा करने से, अभिशाप देने से, तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। आशीर्वाद तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाता है। सहनशीलता, धैर्य और विवेक से कुशलतापूर्वक आगे बढ़ो। यदि तुम्हारे आसपास मूर्ख हैं, तो समझो, वे तुम्हें और बुद्धिमान बनाएंगे। तुम कितने केंद्रित हो, यह तुम्हारे आसपास रहने वाले मूर्खों की संख्या से मालूम पड़ता है। मूर्खों को हटाने का प्रयास मत करो। यदि तुम केंद्रित नहीं हो, तो तुममे उनको बर्दाश्त करने का धैर्य नहीं होगा। जब तुम पूर्ण रूप से आत्मस्थित हो, तब पाते हो कि मूर्ख से भी ज्ञान मिल सकता है। वे तुम्हारे ही प्रतिबिम्ब हैं। मूर्ख तुम्हें हताश भी कर सकते हैं, या ज्ञान भी दे सकते हैं, चुनाव तुम्हारा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

'नशा समाज को खोखला कर देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है'

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत एक ऐसे युग से गुजर रहा है जहां विकास आधुनिकता और वैश्वीकरण की चुनौतियाँ समानांतर रूप से सामने खड़ी हैं। इनमें सबसे खतरनाक और जटिल समस्या मादक पदार्थों (ड्रग्स) की है। यह समस्या केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ के लिए एक गंभीरसंकट है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँकि,ड्रग्स का अवैध कारोबार और उसका सेवन समाज की जड़ों को खोखला करता है, युवाओं की ऊर्जा को नष्ट करता है और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी गहरा असर डालता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत ने 'नशा मुक्त भारत@2047' का लक्ष्य तय किया है, जो आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक एक ऐसे भारत की परिकल्पना करता है जहाँ मादक पदार्थों का अवैध कारोबार और सेवन पूरी तरह समाप्त हो सके। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटी एफ), एनसीओआरडी (नेशनल कोऑर्डिनेशन सेंटर ड्रग्स नकॉर्ड मैकेनिज्म)और नार्कोटिक्स कंट्रोलब्यूरो (एनसीबी) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।ड्रग्स की समस्या केवल सामाजिक या स्वास्थ्य संबंधी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ी है। ड्रग्स का पैसा आतंकी संगठनों और संगठित अपराध के लिए फंडिंग का प्रमुख स्रोत है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए यह खतरा और भी गंभीर है क्योंकि इसके पड़ोसी देशों में ड्रग्स उत्पादन और तस्करी का नेटवर्क सक्रिय है। 'गोल्डन ट्राएंगल' और 'गोल्डन क्रिसेंट' क्षेत्र से भारत में ड्रग्स की तस्करी लंबे समय से होती रही है।इसीलिए भारत की एंटी नार्कोटिक्स नीति में राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं,क्योंकि आगामी 16-17 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में एकऐतिहासिक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें भारत के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुख,अन्य सरकारी विभागों के हितधारक तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नशा मुक्त भारत @ 2047 के विजन को ठोस आधार प्रदान करेगा और आने वाले वर्षों के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करेगा।भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन स्थापित एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटी एफ)को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मादक पदार्थों के खिलाफ एक संयुक्त तंत्र के रूप में गठित किया गया है।यह तंत्र आपूर्ति कम करने, मांग को नियंत्रित करने और नुकसान कम करने की नीति पर एक साथ काम करता है। एएनटीएफ का उद्देश्य केवल कानून प्रवर्तन तक सीमित नहीं है बल्कि समाज में जागरूकता, शिक्षा और पुनर्वास को भी समान प्राथमिकता देना है। भारत के पीएम ने कई मौकों पर कहा है कि 'नशा समाज को खोखला कर देता है और राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है।' इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री की अगुवाई में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम सम्मेलन का विषयः संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी की करें तो इस द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय 'संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी' रखा गया है। यह विषय अपने आप में मादक पदार्थों की समस्या के समाधान का मूल मंत्र है। ड्रग्स की समस्या केवल एक विभाग या एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि पूरे समाज, सरकार और नागरिकों का सामूहिक दायित्व है। आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए पुलिस,सीमा सुरक्षा बल, तटरक्षक बल और कस्टम विभाग को मिलकर काम करना होगा। मांग कम करने के लिए शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संगठन अहम भूमिका निभाएँगे। नुकसान कम करने के लिए पुनर्वास केंद्र, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक सक्रिय योगदान देंगे। इस प्रकार यह समस्या एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती है जिसे केवल साझा जिम्मेदारी के सिद्धांत से ही सफल बनाया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम,2 दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में तकनीकी सत्रःआठ विशेष विमर्श की करें तो भविष्य का रोडमैप और नीति निर्धारण- 2047 तक नशा मुक्त भारत का विजन पूरा करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर मंथन होगा।ये आठ सत्र न केवल समस्या की गहराई को समझने का अवसर देंगे बल्कि समाधान की दिशा में ठोस कदम भी सुझाएँगे। (1)सम्मेलन के दौरान आठ तकनीकी सत्र (टेक्निकल सेशयंस)आयोजित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा और रणनीति बनाना है।(2)ड्रग्स आपूर्ति श्रृंखला की रोकथाम-इसमें अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क, सीमा पार तस्करी, डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाले कारोबार को रोकने की रणनीतियों पर चर्चा होगी। (3)ड्रग्स की मांग कम करने की रणनीति -शिक्षा, जागरूकता, युवाओं को खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर विचार किया जाएगा (4)नुकसान कम करने के उपाय-नशा करने वालों के पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवाओं और मानसिक उपचार की दिशा में कदमों पर चर्चा होगी। (5) राष्ट्रीय सुरक्षा और ड्रग्स का संबंध-ड्रग्स से होने वाली आतंकी फंडिंग, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के मुद्दों को संबोधित किया जाएगा। (6)कानून प्रवर्तन को सशक्त बनाना- पुलिस, एनसीबी और अन्य एजेंसियों के बीच समन्वय और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विमर्श होगा। (7) ड्रग्स और साइबर अपराध-डार्क वेब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग रोकने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों पर चर्चा होगी। (8) अंतरराष्ट्रीय सहयोग- पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग, सूचना साझा करने और संयुक्त अभियानों पर विचार होगा।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की वार्षिक रिपोर्ट-2024 जारी करेंगे। इस रिपोर्ट में बीते वर्ष में ड्रग्स की जब्ती, गिरफ़्तारियाँ, अवैध नेटवर्क का खुलासा और निवारक कदमों का विस्तृत विवरण होगा। साथ ही, श्री शाह ऑनलाइन ड्रग विनष्टीकरण अभियान (ड्रग डिस्पोजल कैंपेन) की शुरूआत करेंगे। यह अभियान एक अनोखी पहल होगी जिसमें जब्त किए गए मादक पदार्थों का निपटान पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित तरीके से किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम,आपूर्ति, मांग और नुकसान कम करने की रणनीति तथा होल ऑफ द गवर्नमेंट अप्रोच की करें तोमादक पदार्थों की समस्या को तीन स्तरों पर समझा जाता है-(1)आपूर्ति कम करना-यानी ड्रग्स की तस्करी, उत्पादन और वितरण पर नियंत्रण।(2)मांग कम करना-यानी समाज में नशे की लत को रोकना और जागरूकता फैलाना(3) नुकसान कम करना-यानी नशे के शिकार लोगों का इलाज और पुनर्वास।

भारत ने इन तीनों स्तरों पर रणनीतियाँ अपनाई हैं। सीमा पार निगरानी बढ़ाना, ड्रोन और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, कस्टम और पुलिस को मजबूत करना आपूर्ति रोकने की दिशा में अहम कदम हैं। मांग कम करने के लिए युवाओं में खेलकूद, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं नुकसान कम करने के लिए पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया जा रहा है। होल ऑफ द गवर्नमेंट अप्रोच-इस समस्या से निपटने के लिए केवल गृह मंत्रालय या एनसीबी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए एक होल ऑफ द गवर्नमेंट एप्रोच की आवश्यकता है। यानी केंद्र और राज्य सरकारों के सभी विभाग-शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सामाजिक न्याय, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और विदेश मंत्रालय-सभी को मिलकर काम करना होगा।

वैश्विकी : दक्षिण एशिया में हालात जटिल

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

दक्षिण एशिया आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल आंतरिक अस्थिरता की कथा नहीं है, बल्कि वैंक राजनीति की गहरी छायाओं से आच्छादित परिदृश्य भी है।

यह भू-भाग, जो कभी प्राचीन सभ्यताओं, सांस्कृतिक बहुलता और समृद्ध परंपराओं का उद्गम स्थल रहा, आज अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के हितों की प्रयोगशाला और प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बन गया है। श्रीलंका से लेकर बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार तक, और पाकिस्तान से लेकर अफगानिस्तान तक, लगभग सभी देशों में उथल-पुथल, आंदोलनों और सत्ता संघर्ष का आलम है। इन घटनाओं ने क्षेत्र की स्थिरता को संकट में डाल दिया है।

श्रीलंका इसका सबसे ताजा उदाहरण है। 2022 में जब इस द्वीप राष्ट्र में आर्थिक संकट ने भयावह रूप लिया तब जनता ने राजपक्षे परिवार की सत्ता को उखाड़ फेंका। विदेशी कर्ज का बोझ, भ्रष्टाचार और राजनीतिक कुप्रबंधन ने आम लोगों को सड़कों पर उतरने को मजबूर कर दिया। यह आंदोलन सरकार-विरोधी आक्रोश भर नहीं था, बल्कि संकेत था कि जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा की जाएगी तो सत्ताधारी वर्ग के लिए कुर्सी बचाना असंभव होगा। कुछ ही समय बाद बांग्लादेश में भी आक्रोश की लपटें उठीं। शेख हसीना की सरकार, जिसने विकास और आर्थिक प्रगति के नाम पर स्थायित्व कायम किया था, अचानक विपक्ष और जनता के निशाने पर आ गई। बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर प्रश्न चिह्न ने आंदोलन को जन्म दिया। नेपाल की स्थिति और भी जटिल है। नेपाल का भूगोल, रणनीतिक स्थिति और भारत-चीन के बीच उसकी अहमियत ने इसे बाहरी हस्तक्षेप का सहज शिकार बना दिया है। वहां की राजनीति में लगातार बदलते गठबंधन, नेतृत्व की अस्थिरता और जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा ने असंतोष को हवा दी है।

राजतंत्र समर्थक और कट्टरपंथी ताकतें असंतोष को भुनाने में जुटी हैं, जिससे नेपाल की सामाजिक संरचना में नई दरारें पड़ रही हैं। इसी तरह म्यांमार, जहां सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया, वर्षों से गृह युद्ध और विद्रोह की चपेट में है। लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। यहां विदेशी शक्तियों की भूमिका और भी स्पष्ट दिखती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों का दबाव, चीन की गहरी आर्थिक पैठ और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की लड़ाई ने म्यांमार को अस्थिरता की ओर धकेल दिया है। पाकिस्तान की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं है। यहां एक ओर सेना और न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होता जा रहा है। विदेशी कर्ज पर निर्भरता, मुद्रास्फीति और बढ़ते आतंकी हमलों ने जनजीवन को असुरक्षित बना दिया है।

दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन-की प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। एक ओर चीन 'बेल्ट एंड रोड' जैसी महत्त्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र को अपनी आर्थिक-रणनीतिक पकड़ में लेना चाहता है, वहीं अमेरिका और उसके सहयोगी भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' जैसी साझेदारियों के जरिए इस प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं। नतीजा यह है कि दक्षिण एशियाई देशों की आंतरिक राजनीति अब उनकी अपनी नहीं रह गई है। हर आंदोलन, हर सत्ता परिवर्तन और हर अस्थिरता के पीछे विदेशी छायाएं मंडराती दिखती हैं। यह क्षेत्र केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हिन्द महासागर, मलक्का जलडमरूमध्य और हिमालयी गलियारों पर पकड़ बनाने की जद्दोजेहद ने बाहरी शक्तियों को यहां सक्रिय कर दिया है।

भारत, जो स्वयं इस क्षेत्र का सबसे बड़ा लोकतंत्र और उभरती शक्ति है, के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है। एक ओर उसे अपने पड़ोस की अस्थिरता का सामना करना है, तो दूसरी ओर बाहरी शक्तियों के बढ़ते प्रभाव को भी संतुलित करना है। दक्षिण एशियाई देशों की समस्याओं का सबसे बड़ा कारण यह है कि शासक वर्ग ने जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्राथमिकता नहीं दी। लोकतंत्र चुनावों तक सीमित रह गया, जबकि शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन का अभाव रहा। आर्थिक विकास का लाभ कुछ वगरे तक सीमित रहा, जिससे सामाजिक विषमता बढ़ी। यही असंतोष जब फूटता है, तो आंदोलन का रूप ले लेता है और जब यह आंदोलन विदेशी हितों से टकराता है, तो बाहरी शक्तियां अपने-अपने हित साधने के लिए उसे हवा देने से नहीं चूकतीं।

दक्षिण एशियाई दरारें केवल क्षेत्रीय संकट नहीं हैं, बल्कि वैंक व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। यदि यह क्षेत्र अस्थिर रहता है, तो न केवल एशिया, बल्कि पूरी दुनिया में शांति और विकास प्रभावित होंगे। इसलिए आवश्यक है कि विदेशी शक्तियां यहां अपने-अपने हित साधने की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता और जनता के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

(लेख में विचार निजी हैं)

नेपाल का जेन-जी आंदोलन और दक्षिण एशिया का जनविद्रोह मॉडल

नेपाल में भले ही ओली की अप्रत्याशित विदाई के साथ ही पूर्व जस्टिस सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाल ली है, लेकिन यहां हालात सामान्य होने में अभी कुछ वक्त और लगेगा। वजह साफ है कि जिस जेन-जी की वजह से तख्तापलट हुआ उसे खुश कर पाना फिलहाल किसी के वश की बात नहीं है। ऐसा कहना इसलिए सही लगता है क्योंकि इससे पहले बांग्लादेश में युवाओं ने जिस तरह से शेख हसीना की सत्ता को उखाड़ फेंका था और उसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस वाली अंतरिम सरकार ने सब कुछ अपने हिसाब से करने की कोशिश की, लेकिन उससे आंदोलनकारी छात्र खुश नहीं हो सके। अब गाहे-बगाहे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ भी आवाजें उठती सुनाई और दिखाई दे जाती हैं। वैसे भी यह वह समय है जिसमें दक्षिण एशिया ही नहीं बल्कि दुनियां के अधिकांश देश राजनीतिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे हैं। दुनियां की तमाम शक्तियां जंग के झमेले में उलझी नजर आ रही हैं।

यहां भारत के पड़ोसी देशों की ही बात कर लें तो श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल में जनता के खासतौर पर युवाओं के असंतोष ने सरकारों को परिणाममूलक घेराव किया है। तीनों देशों में आंदोलन की शैली, युवाओं पर आधारित जनसहभागिता और सत्तात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए इसे एक जनविद्रोह मॉडल की संज्ञा दी जाने लगी है। इस मॉडल में सोशल मीडिया की भूमिका, युवा शक्ति की भागीदारी और आर्थिक-सामाजिक असंतोष की गहरी जड़ें साफ झलकती हैं। यहां विचार करने वाली बात यह भी है कि यह विद्रोह दो-चार दिन में पैदा नहीं हुआ, बल्कि लगातार सुनवाई नहीं होने और संकट के विकराल रुप लेने से उपजा था। युवाओं को उचित शिक्षा के साथ ही समय पर रोजगार न मिलना और सरकार द्वारा उनका लगातार तिरस्कार करना भी एक प्रमुख कारण रहा है। तिरस्कार इस बावत कि नेता और अधिकारियों के अधिकांश बच्चे तो विदेशों में पढ़ते और अपना बेहतर भविष्य बनाते नजर आए, लेकिन देश में रहने वाले युवाओं की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया। इससे कुंठित युवा वर्ग एकजुट होता चला गया और धीरे-धीरे उनका विरोध जनविद्रोह मॉडल तक पहुंच गया।

यहां सर्वप्रथम श्रीलंका के जनआंदोलन की बात कर लेते हैं, जो कि आर्थिक तबाही से सत्ता पलट तक चला। दरअसल श्रीलंका में हुआ साल 2022 का जनआंदोलन एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ था। तब राजपक्षे सरकार की आर्थिक नीतियां फेल होती हुई दिखीं थीं, जिस कारण देश में कर्ज.संकट सामने आया। इसके चलते विदेशी मुद्रा भंडार का खात्मा होता हुआ दिखाई दिया और लोगों पर सीमा से परे भार पड़ता दिखाई दिया। परेशान लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर आ गए। कहते हैं जब जनता किसी सत्ता के खिलाफ सड़क पर आ जाती है तो उसका सामना करने की ताकत किसी मानवीय शक्ति में तो नहीं ही होती है। यही वजह थी कि श्रीलंका के हालात इस कदर बिगड़े कि प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन तक पर कब्जा जमा लिया। इस आंदोलन के बाद राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़कर विदेश भागना पड़ गया था। राष्ट्रपति के पलायन के साथ ही सत्ता परिवर्तन का दृष्य सामने आया। इस आंदोलन की खासियत की बात करें तो यह स्वस्फूर्त, नेतृत्वविहीन और सोशल मीडिया पर आधारित था, जो कि जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैला।

श्रीलंका के जनआंदोलन से थोड़ा हटकर बांग्लादेश का छात्र आंदोलन रहा है। दरअसल यह आंदोलन आरक्षण व्यवस्था से शुरू हुआ और देखते ही देखते सरकार के खिलाफ हिंसक बगावत में तब्दील हो गया। यहां बताते चलें कि साल 2024 में बांग्लादेश में शुरू हुआ छात्र आंदोलन सरकारी नौकरियों में आरक्षण (कोटा) के विरोध में खड़ा किया गया था। शेख हसीना सरकार को शुरू में लगा था कि छात्रों को समझा-बुझाकर या दबाव बनाकर रास्ते में ले आएंगे, लेकिन पुलिस ने जब कठोर कार्रवाई शुरू की तो यही आंदोलन जनविद्रोह का रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते लाखों युवा सड़कों पर उतर आए और शेख हसीना सरकार को जड़ से उखाड़ दिया। प्रारंभ में यह आंदोलन विश्वविद्यालय परिसरों से शुरू हुआ जो पूरे देश में फैल गया। शांतिपूर्ण आंदोलन कब हिंसक रुप अख्तियार कर लिया समझ से परे रहा और इसमें सैकड़ों मौतें हुईं और इस कारण सरकार गिरती दिखी। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण लेना पड़ी। जेल में कैद राजनीतिज्ञों की रिहाई के साथ ही अंतरिम सरकर बनी जिसके प्रमुख सलाहकार यूनुस को बना दिया गया।

कुछ ऐसी ही तस्वीर हाल ही में नेपाल में भी बनती देखी गई, जबकि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन-जी (26 वर्ष से कम उम्र के युवा) सोशल मीडिया प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के विरोध में सड़कों पर उतर आए। इन आंदोलनकारी युवाओं ने संसद को घेरने और सरकारी भवनों पर कब्जे करने से लेकर हागजनी की घटनाओं को भी खूब अंजाम दिया। आंदोलनकारी युवाओं और पुलिस के बीच हुई झड़पों में हुई मौतों ने आग में घी डालने का काम किया। गुस्साए आंदोलनकारियों ने न सिर्फ नेताओं के बंगलों और सरकारी संस्थाओं में आगजनी कि बल्कि सुप्रीम कोर्ट तक को आग के हवाले कर दिया। इस उग्र आंदोलन को देख कर किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि सोशल मीडिया प्रतिबंध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का मामला इतना खतरनाक मोड़ पर आ जाएगा कि तख्तापलट करके रख देगा। सोशल मीडिया प्रतिबंध के बावजूद युवा लामबंद हुए और संसद और राजधानी काठमांडू को घेरने में कोई कोताही नहीं की। परिणाम स्वरुप ओली पर इस्तीफे का दबाव बना और देश में राजनीतिक अस्थिरता सामने आ गई।

इन तीनों देशों के तख्तापलट आंदोलन पर विश्लेषणात्मक दृष्टि डालते हैं तो मालूम चलता है कि इनके जरिए राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति का उदय हुआ। इन तीनों ही आंदोलनों में युवाओं, खासकर छात्रों और जेन-जी पीढ़ी नेतृत्व करती नजर आई। इन आंदोलनों में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। आधुनिक सूचना तंत्र के तौर पर सोशल मीडिया भीड़ जुटाने में सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ है। इन तीनों ही देशों में राजनीतिक असंतोष का विस्फोट किसी एक मुद्दे को लेकर शुरू हुआ और क्रमशः आर्थिक संकट, कोटा और सोशल मीडिया प्रतिबंध ने एक तरह से सूखी घांस में चिंगारी गिराने का काम किया। इस आग में घी डालने का काम भीतर ही भीतर लंबे समय से युवाओं के मन में दबा गुस्से ने किया। तत्कालीन सरकारें युवाओं को आंदोलन के रास्ते जाने से रोक भी सकती थीं, लेकिन उसके लिए संवाद बहुत जरुरी होता है। यहां बातचीत के रास्ते बहुत हद तक बंद कर दिए गए थे। सरकार और सुरक्षा-तंत्र से कठोर प्रतिक्रियाएं मिलती देख आंदोलन भड़का। पुलिस गोलीबारी, इंटरनेट प्रतिबंध, कर्फ्यू और गिरफ्तारियों जैसी कार्रवाइयों ने आंदोलनों को भड़काने में मदद की। इन कारणों ने सरकार की उपलब्धता और वैधता पर सवाल खड़े कर दिए। परिणाम तख्ता पलट के तौर पर सामने आए, जिससे अन्य राष्ट्रों को सबक लेने की आवश्यकता है। शासन-प्रशासन को चाहिए कि युवाओं के लिए जहां शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर तलाशे वहीं देश के समस्त नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही साथ रोटी-कपड़ा और मकान का माकूल इंतजाम करे। इससे देश में अराजकता फैलने से बचेगी और जो युवा आक्रोश पनप रहा है उससे भी देश व सरकार को राहत मिलेगी।

पुण्यतिथि पर किया गया हवन व भंडारे का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र में गुरुवार को स्वर्गीय लज्जावती की पुण्यतिथि पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। क्षेत्र से आए हुए तमाम लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। ज्ञात रहे की स्वर्गीय लज्जावती प्रकाश वीर शास्त्री के छोटे भाई वेद प्रकाश त्यागी की पत्नी थी. उनकी मृत्यु 9 वर्ष पूर्व 2016 में हो गई थी। तभी से उनकी याद में उनके बच्चों के द्वारा हर वर्ष पुण्यतिथि पर हवन पूजन कर भंडारे का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में गुरुवार को स्वर्गीय लज्जावती के चारों बेटे व परिवार जनों ने मिलकर पुण्यतिथि पर भंडारे का आयोजन हसनपुर अलीगढ़ मार्ग पर स्थित रहरा में किया। जहां आने-जाने वाले लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान गंगेश्वरी ब्लॉक के प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी व परिवार के सदस्य प्रमोद कुमार त्यागी, पवन कुमार त्यागी, कुलदीप कुमार त्यागी, विकास कुमार त्यागी, पौते मयंक त्यागी, मुदित त्यागी, हर्षित त्यागी, विशाल त्यागी अथर्व त्यागी, व क्षेत्रवासी पंकज त्यागी, चंद्रपाल उपाध्याय, रामपाल त्यागी, पिंटू त्यागी, धीरज शर्मा, विशाल त्यागी, धर्मेंद्र यादव, अंकुश त्यागी, सोनू त्यागी, अमरीश त्यागी, गौरव त्यागी, नन्हे सिंह प्रधान पति रहरा, ओम दत्त त्यागी, योगेश त्यागी, गोलू त्यागी, अंश पंडित, पुष्पेंद्र त्यागी, आदि लोग मौजूद रहे।

अवैध रूप से संचालित 06 पैथोलोजी लैब व अस्पताल को किया गया सील

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेर्शा के अनुपालन में बुधवार को देर सांय डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह ने तहसील नौगावां सादात क्षेत्रान्तर्गत कस्बा नौगावां सादात में चिन्हित अवैध रूप से संचालित पैथोलोजी लैब व अस्पतालों का औचक निरीक्षण राजस्व विभाग की टीम के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा किया गया। जिनका विवरण है, शारदा हॉस्पिटल, मौहल्ला अलीनगर, निकट जाटों वाली पुलिया, नौगावां सादाता, वी.एस.के. पैथोलोजी लैब, मौहल्ला अलीनगर, निकट बुद्धाजार चौराहा, नौगावां सादात, पैथ केयर सेन्टर, मौहल्ला नई बस्ती, निकट पुराना पशु अस्पताल, नौगावां सादात, एन. एस. पैथोलोजी लैब, मौहल्ला नई बस्ती, जामा मस्जिद वाली गली, नौगावां सादात, लोकप्रिय हेल्थ केयर सेन्टर, निकट नहर का पुल, बीलना, नौगावां सादात और एम.एच. पैथोलोजी लैब, मौहल्ला बड़ी इमली, हुसैन चौक, निकट खेड़ी का मोड़, नौगावां सादात। इन सभी 4 पैथोलोजी लैब तथा 2 अस्पतालों में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा किये गये निरीक्षण में वैध अभिलेख नहीं पाये जाने पर राजस्व विभाग की टीम के समक्ष स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सील कर दिया गया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को सतत रूप से जारी रखने के लिए विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली की जाए। डीएम ने भू राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि आरसी वसूली शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व वादों में दायरे के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित कराएं। साथ ही पुराने वादों का निस्तारण सुनिश्चित कराएं। सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि समय सीमा निर्धारित कर आरसी का मिलान कर विसंगतियां दूर करें। जिलाधिकारी ने विद्युत, वानिकी, सिंचाई, खनिज एवं बैंक की कम वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष अभियान चलाते हुए वसूली की जाए। उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि जितनी भी आरसी का ओटीएस हो गया है, उसकी सूचना संबंधित तहसीलों को उपलब्ध करा दें। नगर निकायों की समीक्षा करते हुए नगर पालिका परिषद गजरौला में गत वर्ष की उपलब्धि के सापेक्ष बहुत कम वृद्धि पर नाराजगी जताते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। निधि गुप्ता वत्स ने सीएम डैशबोर्ड पर आधारित रैंक की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग सर्वोच्च रैकिंग के लिए प्रयास करें। उन्होने कहा कि इस माह बी, सी और डी कैटेगरी वाले ए के लिए प्रयास करें तथा ए रैंक वाले अपनी रैकिंग यथावत बनाए रखने हेतु अपेक्षित प्रगति करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, समस्त एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम - एसपी ने गंगाधाम तिगरी में घाटों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के साथ संयुक्त रूप से पितृ अमावस्या के दृष्टिगत गंगाधाम तिगरी में गंगा घाटों का निरीक्षण किया गया और व्यवस्थाओं की जांच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वहां बेरीकेडिंग और संकेतक बोर्ड लगवाने, रोशनी के व्यापक बंदोबस्त किए जाने एवं महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाने आदि के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि 20 सितम्बर, 2025 की रात्रि से पितृ अमावस्या पर गंगाधाम तिगरी में श्रद्धालुओं को आवागमन रहेगा। इसलिय आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को पूर्ण करने के लिए निरीक्षण किया गया है। गंगा के बढ़े जलस्तर को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। लोगो को कोई असुविधा न हो, पर्याप्त मात्रा मे गोताखोर की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार प्रकाश, विद्युत, साफ-सफाई की उचित व्यवस्था हो जिसके लिये सम्बन्धित को निर्देशित किया गया है। सभी व्यवस्थायें पहले से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि जो श्रद्धालु आ रहे है और जो जाने का स्थान है उसके लिये ट्रैफिक की उचित व्यवस्था की जायेगी। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो ये सुनिश्चित किया जाएगा। लोगों को गहरे पानी में प्रवेश न करने की चेतावनी प्रसारित करने के भी निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इसलिये प्रशासन की पूरी व्यवस्था रहेगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि 21 सितम्बर, 2025 को तिगरीधाम पर पितृ अमावास्या के दृष्टिगत भारी संख्या में श्रद्धालु आते है। आज गंगाधाम तिगरी में घाटों का निरीक्षण किया गया है। श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो और उनके लिए पर्याप्त सुविधायें हो इसलिये आवश्यक व्यवस्थायें की जा रही है। ट्रैफिक मैनेंजमेंट को इस तरह प्लान किया गया है किसी को कोई असुविधा नहीं होगी। प्रोपर साइनेज लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संचालित स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2025 के अन्तर्गत तिगरीधाम में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप, उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया, मुख्य चिकित्साधिकारी सतपाल सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पारूल सिसौदिया, बी0डी0ओ0 सहित सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने पूर्व में हुई बैठक मे दिये गये निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक जानकारी लेकर सम्बन्धित को दिशा निर्देश दिए। निधि गुप्ता वत्स ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते कहा कि प्रभावी कार्यवाही कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाएं। जिलाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाइवे किनारे कई स्थानों पर अवैध कट बना लिए गए हैं, जिनकी वजह से काफी संख्या में दुर्घटनाएं हो रही हैं, उनको बंद कराया जाए। पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि ऐसे स्थान चिन्हित कर डाटा उपलब्ध कराएं जहां पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अधिक हो रही है। सभी निकायों में सुगम यातायात सुनिश्चित कराया जाए मुख्य चौराहों मोहल्लों व अधिक अतिक्रमण वाले स्थलों पर अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए। सड़क सुरक्षा के प्रति अधिक से अधिक जन मानस को जागरूक किया जाए और दुर्घटनाओं में कमी लाई जाए। कहा कि जनपद में ऐसे व्यक्ति जो गोल्डन ऑवर में सड़क दुर्घटना में घायल की मदद प्रदान करते हैं उनका प्रोत्साहन किया जाए। इस अवसर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गौरव रंजन और गिरीश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार, एआरटीओ महेश शर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी और सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

अमरोहा में बीएलओ प्रशिक्षण: मतदाता सूची 2025 की तैयारियों को मिली गति

अमरोहा (सब का सपना):- लोकतंत्र के मजबूत आधार को सशक्त बनाने के उद्देश्य से अमरोहा विकास खंड कार्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर तहसील के उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य (बीएलओ) को आगामी मतदाता सूची के संशोधन एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित बारीकियों से अवगत कराना था। विशेष रूप से नौगांवा सादात विधानसभा क्षेत्र (संख्या 41) के बीएलओ ने इस प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रशिक्षण को दो सत्रों में विभाजित किया गया था। पहले सत्र में, जो सुबह 10 बजे से 11 बजे तक चला, भाग संख्या 1 से 165 तक के बीएलओ को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके बाद, दूसरे सत्र में दोपहर 11 बजे से 12 बजे तक भाग संख्या 166 से 330 तक के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। यह व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि अधिक से अधिक बीएलओ को बिना किसी असुविधा के लाभ मिल सके। उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 2003 की पुरानी मतदाता सूची को वर्ष 2025 की नई सूची के साथ मिलान किया जाएगा। यह प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होगी, ताकि सूची में कोई त्रुटि न रहे और सभी योग्य मतदाता शामिल हो सकें। दुबे ने कहा कि मतदाता सूची का संशोधन जिले के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करेगा। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर सत्यापन करें, विशेषकर युवा वोटरों और महिलाओं को प्रोत्साहित करें। इसके अलावा, दुबे ने दस्तावेज प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि घोषणा के समर्थन में प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों की एक सांकेतिक सूची (जो पूर्ण नहीं है) उपलब्ध है। यदि स्वयं, पिता या माता के लिए अलग-अलग स्व-प्रमाणित दस्तावेज ऊपर उल्लिखित हैं, तो उन्हें प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। हालांकि, यदि अर्हता तिथि 1 जनवरी 2003 के आधार पर उत्तर प्रदेश की निर्वाचक नामावली का उदाहरण उपयोग किया गया हो, तो वह अपने आप में पर्याप्त दस्तावेज माना जाएगा। यह छूट बीएलओ को कार्य में सहजता प्रदान करेगी। दुबे ने उदाहरण देकर समझाया कि आधार कार्ड, वोटर आईडी, जन्म प्रमाण पत्र या शपथ पत्र जैसे दस्तावेजों का सही उपयोग कैसे किया जाए।

69 वीं प्रदेशीय विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- ज़िले में 69 वीं प्रदेशीय विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2025 अंडर- 14,17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग (बालक/बालिका) की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता डॉ भीमराव अंबेडकर राज्य विद्यालीय क्रीड़ा संस्थान, उत्तर प्रदेश स्टेडियम अयोध्या में दिनांक 17/9/25 - 22/9/25 तक आयोजित की जायेगी।उक्त प्रतियोगिता को सुव्यवस्थित व सूचितापूर्ण आयोजित कराये जाने हेतु समिति गठित की गई जिसमें एक बार पुनः पुरुजित सिंह को चयनकर्ता/निर्णायक के रूप में चयनित किया गया है।इससे पहले भी वो २ बार चयनकर्ता के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं और उनके द्वारा चुनी गई टीम ने नेशनल में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था । उनके द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में और अपने गांव में वॉलीबॉल ,कबड्डी और खो खो का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता रहा है ।गांव देहात की प्रतिभाओं को निखारकर उन्हें आगे बढ़ाते हैं।पुरूजीत सिंह खेलों के लिए समर्पित व्यक्तित्व हैं ये योगासन , खो खो , वॉलीबॉल ,स्पेशल ओलंपिक,जिला ओलंपिक समिति, जिला खेल समिति , युवक मंगल दल, क्रीड़ा भारती और अन्य खेल संघों में भी अपनी सेवाए देते हैं।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपाइयों ने मरीजों को किये फल वितरित

नौगांव सादात/अमरोहा (सब का सपना):- नगर के सरकारी अस्पताल सीएचसी में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क विभाग के जिला संयोजक व पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी के नेतृत्व में ।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वे जन्म दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपाइयों ने मरीजो को फल वितरित करते हुए। उनके हर दुख में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया । एवं उनका हाल-चाल जाना । वीरेंद्र सिंह सैनी ने कहा ।कि सन 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने गरीब व असहाय लोगों की लगातार मदद कर रही है ।जैसे गरीब लोगों के प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीब को पक्की छत देने का कार्य किया । महिलाओं के सम्मान में फ्री उज्जवला गैस के कनेक्शन दिए ,और घर-घर इज्जत घर शौचालय फ्री में बनवाये और, कोरोना जैसी भयंकर महामारी से निपटने के लिए अपने देश की 140 करोड़ जनता को कोरोना का फ्री में टीका लगवाने का काम किया, और 80 लाख लोगों को फ्री में भरपेट खाने के लिए राशन वितरण का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने देश के लिए सेवा भाव समर्पण के लिए कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरिफ समी,डॉक्टर नसीम हैदर, फार्मासिस्ट मजहरुद्दीन,भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी, ऋषभ कुमार एवं समस्त सीएचसी स्टाफ मौजूद रहा।

भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा पर आज आयोजित होगी राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज

अमरोहा (सब का सपना):- अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र संख्या पत्र संख्या-772-पी0सी0 टी0/मॉक एक्स/ 2025- 26 दिनॉक 04 सितम्बर, 2025 के माध्यम से उ.प्र राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश के 34 जनपदों की 157 तहसीलों में भूकम्प, औद्योगिक (रासायनिक) एवं अग्नि सुरक्षा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन जनपद अमरोहा की 04 तहसीलों में भूकम्प, औद्योगिक (रासायनिक) एवं अग्नि सुरक्षा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन/संचालन विभिन्न चरणों में कराये जाने के सम्बंध में सूचित करते हुए अग्रिम कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त के क्रम के माध्यम से जनपद में मॉक एक्सरसाइज के अंतर्गत सम्पादित की जाने वाली कार्यवाहियों/गतिविधियों हेतु प्रत्येक तहसील में एक पूर्वाभ्यास स्थल चिन्हित कर मॉक एक्सरसाइज संचालित किये जाने के निर्देश दिये गये है, जिसका विवरण निम्नवत है:- क्र0 सं0 तहसील का नाम नोडल अधिकारी का नाम नमित प्रेक्षको का नाम व मो0न0 सिनेरियो तहसील द्वारा चयनित कार्यक्रम स्थल 1अमरोहा उपजिलाधिकारी (अमरोहा) मुख्य चिकित्साधिकारी, अमरोहा 9454401537 हॉस्पिटल में भूकम्प आना जीवन ज्योति अस्पताल, अमरोहा, धनौरा उपजिलाधिकारी (धनौरा) जिला विद्यालय निरीक्षक, अमरोहा 9454457307स्कूल में भूकम्प आना गांधी इण्टर कालेज, धनौरा, हसनपुर उपजिलाधिकारी (हसनपुर) मुख्य अग्निशमन अधिकारी 9918013122 औद्यौगिक ईकाई में आग लगना उमंग डेयरी, गजरौला, तहसील हसनपुर, नौगांवा सादात उपजिलाधिकारी (नौगांवा सादात) डिप्टी कलेक्टर, मुख्यालय 9837724143 (ब्रजपाल सिंह) उंचे भवन में में भूकम्प आना नवनिर्मित तहसील मुख्यालय, नौगांवा सादात राज्य स्तर से निर्धारित मॉक एक्सरसाइज संचालित समय निम्नवत है। क्र0 सं0 नाम तहसील कार्यक्रम कार्यवाही समय समस्त तहसील स्वागत एवं परिचय मॉक एक्सरसाइज स्थल प्रातः 10.00 से 10.05 तक, जिला मुख्यालय जिला कन्ट्रोल रूम और आइ0आर0एस0 क्रियाशील सूचनाओं को प्रेषित करना प्रातः 10.05 से 10.30 तक 3 धनौरा स्कूल सूरक्षा मॉक एक्सरसाइज गांधी इण्टर कालेज, धनौरा प्रातः 10.30 से 11.00 तक, हसनपुर आग सूरक्षा मॉक एक्सरसाइज उमंग डेयरी, गजरौला, तहसील हसनपुर प्रातः 11.00 से 11.45 तक, अमरोहा अस्पताल सूरक्षा मॉक एक्सरसाइज हॉस्पिटल में भूकम्प आना प्रातः 11.45 से 12.15 तक, नौगांवा सादात क्षतिग्रस्त भवन/उंचे भवन सूरक्षा मॉक एक्सरसाइज उंचे भवन में भूकम्प आना अपरा 12.15 से 12.45 तक 7 लंच मॉक एक्सरसाइज स्थल मॉक एक्सरसाइज स्थल अपरा 12.45 से 01.45 तक, कार्यक्रम पर चर्चा जिला मुख्यालय एन0आई0सी0 अमरोहा अपरा 01.45 से 03.30 तक, उपरोक्त पत्र के माध्यम से दिनांक 19 सितम्बर 2025 को आयोजित फिजिकल मॉकड्रिल में प्रत्येक तहसील/स्थल पर विभागवार निम्नानुसार विभागों से प्रतिभाग कराने के निर्देश दिये गये है।

वरनवाल वैश्य सेवा समिति द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह संपन्न

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- वरनवाल वैश्य सेवा समिति के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी आशुतोष तिवारी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव की गरिमामयी उपस्थित रही। उत्तर प्रदेश बरनवाल वैश्य सभा से जिला अध्यक्ष आलोक गोयल एवं जिला महामंत्री उमेश सौली विशिष्ट अतिथि रहे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सचिन गुप्ता (सी.ए.) ने की। समारोह का संचालन प्रख्यात शिक्षाविद् एवं कवयित्री डॉ. दुर्गा टंडन ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ

प्रान्या गुप्ता के द्वारा सरस्वती वंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसके पश्चात शिक्षकों को शॉल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत हो चुके शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव ने कहा शिक्षक समाज का आधार स्तंभ हैं, जो विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार और जीवन मूल्यों की शिक्षा देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान करते हैं। इस अवसर पर विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी जीवन का उल्लेख करते हुए उप जिलाधिकारी आशुतोष तिवारी ने कहा शिक्षा और संस्कार ही भारत को विश्वगुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। कार्यक्रम में नगरबासी, समाजसेवी, पत्रकार एवं छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। सभी ने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए इस पहल को सराहनीय बताया। कार्यक्रम में अभिषेक गुप्ता, सौरभ गुप्ता,अवनीश गुप्ता,प्रवीण गुप्ता,आशुतोष गुप्ता,नवीन टापू,उपेन्द्र गुप्ता,नितिन गुप्ता,अंकुर गोयल,आशीष गुप्ता,ईशांक गोयल, विकास गोयल,सुमित गुप्ता,अमित कन्हैया,सुनैना गुप्ता,,नीलिमा गुप्ता ,वैशाली गोयल,दिव्या गोयल,दीप्ति बरनवाल,निधि गोयल, रीनू बंसल का विशेष सहयोग रहा।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के रूप में किया गया शिविर का आयोजन

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- गुरुवार को नगर चन्दौसी स्थित सयुक्त चिकित्सालय चन्दौसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़े के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" के रूप में किया गया। शिविर का शुभारंभ स्वतंत्र प्रभार मंत्री गुलाब देवी और जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव द्वारा फीता काटकर किया गया। सीएमएस डॉ हरवेंद्र सिंह ने शिविर और अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं से सबको अवगत कराया। मुख्य अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री ने अपना जन्मदिन सेवा पखवाड़ा के रूप में मना सबके सामने एक उदाहरण पेश

किया है। उनके जन्मदिन पर हम सभी 15 दिनों तक विभिन्न प्रकार के जनहितार्थ कार्यक्रमों का आयोजन करते है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव ने स्वास्थ्य शिविर से जनता को होने वाले लाभ के बारे में बताया और दी जा रही सुविधाओं की तारीफ की। धन्यवाद आभार एसीएमओ पंकज विश्नोई जी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज कठेरिया ने किया।इस दौरान कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल,सुधीर मल्होत्रा,तरुण कुमार नीरज, रोहित दिवाकर,देवेंद्र गुप्ता मोनू,सतीश अरोरा, गिरीश रतन, डॉ टीएस पाल, अरविंद गुप्ता,डॉ वीरेश सिंह,अंकित जैन,अभिनव शर्मा,अमन कोरी,शिव सैनी, शीला सागर,राधा कश्यप, मोरमुकुट वार्ष्णेय,संजय सैनी,अशोक शर्मा, शुभम अग्रवाल,यश मदान, सावन शर्मा,राजेश पाल, ज्ञान प्रकाश चिंटू, खुशीराम मौर्य,आदि रहे।

गैर-पंजीकृत अस्पतालों और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 19 अभियोग पंजीकृत, 4 गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देशन में गैर-पंजीकृत अस्पतालों और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग ने 16 सितंबर को जनपद में 31 अवैध अस्पतालों और क्लीनिकों की जांच की। इस दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर 19 अभियोग पंजीकृत किए गए। जांच के लिए आवश्यक पुलिस बल भी उपलब्ध कराया गया था। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा गहन जांच की। जांच में सामने आया कि कई गैर-पंजीकृत अस्पताल और क्लीनिक पहले भी अवैध संचालन के लिए अभियोगों का सामना कर चुके थे, लेकिन वे बिना पंजीकरण के पुनः संचालित हो रहे थे। विवेचना के दौरान यह भी पता चला कि जगतपाल पुत्र जवाहरलाल (निवासी सादातवाडी, थाना बहजोई), प्रेम सिंह पुत्र गंगा सिंह (निवासी अहरौला नवाजी, थाना जुनावई), बबलू गिरि पुत्र

आनंद गिरि (निवासी बहटकरण, थाना रजपुरा), संगम पुत्र नंदकिशोर (निवासी कर्मधर्म, थाना नरौरा, बुलंदशहर), नितिन उर्फ नितेंद्र नाथ गुप्ता (निवासी चंदौसी ग्रीन, थाना चंदौसी), राजीव कौशिक (निवासी सरायतरीन, कोतवाली सम्भल), और गौरव बंसल (निवासी महाजन स्ट्रीट, थाना चंदौसी) अवैध अस्पतालों और क्लीनिकों से मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर 1 से 10 लाख रुपये तक की अवैध वसूली करते थे। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी जाती थी। यदि किसी अस्पताल में कोई घटना होती, तो उसके लिए अतिरिक्त राशि वसूली जाती थी।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की संलिप्तता

जांच में पता चला कि नितिन उर्फ नितेंद्र नाथ गुप्ता पीएचसी अहरौला में वार्ड बॉय और गौरव बंसल सीएचसी बहजोई में फिजियोथेरेपिस्ट के पद पर कार्यरत हैं। इसके अलावा, प्रेम सिंह की पत्नी 2016 से जुनावई में एएनएम और बबलू गिरि की पत्नी 2019 से वार्ड आया के पद पर कार्यरत हैं। विवेचना में दो ऐसे मामले सामने आए, जिनमें अस्पताल संचालकों को कूटरचित पंजीकरण प्रमाण पत्र दिए गए।

कृष्णा नर्सिंग होम, गुन्नौर

जगतपाल ने संचालक से पंजीकरण के नाम पर 1.5 लाख रुपये लिए और कूटरचित प्रमाण पत्र दिया, जो इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड, कानपुर नगर का निकला। अस्पताल का पंजीकरण अभी लंबित है, और संचालक के खिलाफ पहले भी अवैध संचालन का मामला दर्ज था।

लाइफ केयर हॉस्पिटल, बहजोई

जगतपाल ने 4 लाख रुपये लेकर कूटरचित प्रमाण पत्र दिया, जो सीड्स ऑफ इनोसेंस आईवीएफ एंड फर्टिलिटी सेंटर, कानपुर नगर का था। अस्पताल में सिजेरियन प्रसव जैसे कार्य भी हो रहे थे, जबकि पंजीकरण लंबित है।

गिरफ्तारी और कार्रवाई

जगतपाल, प्रेम सिंह, बबलू गिरि, और संगम को गुन्नौर चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन इस मामले में और सख्त कार्रवाई की तैयारी में है ताकि अवैध अस्पतालों और वसूली के इस नेटवर्क को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

प्रशासन का बयान

जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने कहा, गैर-पंजीकृत अस्पताल और झोलाछाप चिकित्सक जनता की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।" पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने भी आश्वासन दिया कि इस तरह की आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

15 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का विधिवत रूप से फीता काट कर किया गया उद्घाटन

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश कपिल देव अग्रवाल द्वारा आज दोपहर 02:00 बजे विकास भवन परिसर, बिजनौर में सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उ0प्र0 के तत्वाधान "सेवा पर्व" विषयक आगामी 02 अक्टूबर, 2025 तक संचालित 15 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का विधिवत रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा प्रभारी मंत्री एवं अन्य अतिथि गणों का बुके देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, विधायक सदर सूचि चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान, मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, अपर पुलिस अधीक्षक नगर संजीव वाजपेई, डिप्टी कलेक्टर/ जिला

सूचना अधिकारी हर्ष चावला, उपायुक्त एनआरएलएम विरेन्द्र यादव, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी एवं धर्मवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि मौजूद थे। प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित स्थापित चित्र प्रदर्शनी जिसमें उनके जीवन चरित्र से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाओं और प्रेरणादाई संघर्षों के चित्रण का गहनता के साथ अवलोकन किया गया। उन्होंने प्रदर्शनी में चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित की जाने वाली जानकारियों की सराहना करते हुए कहा कि इसका लाभ आमजन विशेष रूप से युवा वर्ग तथा छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराएं तथा प्रदर्शनी स्थल पर जन कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को आच्छादित करने के लिए कैम्पों का आयोजन भी कराएं ताकि आमजन को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित होने के साथ-साथ केन्द्र एंव राज्य सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों, उपलब्धियों, नीतियों की जानकारी भी प्राप्त हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित स्थापित चित्र प्रदर्शनी का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं तथा 11वीं एवं 12वीं कक्षा के छात्र व छात्राओं को प्रदर्शनी का अनिवार्य रूप से भ्रमण कराएं ताकि वे प्रधानमंत्री जी के संघर्षों और प्रेरणादायक कार्यों से परिचित होकर उनसे प्रेरणा लें। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी मंत्री द्वारा जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी विभाग के तत्वावधान स्थापित स्टाल का भी अवलोकन किया गया। स्टाल पर शासन द्वारा संचालित विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं एवं सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रचार सामग्री का वितरण कर आमजन को जानकारी उपलब्ध कराई गई।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को सरोज देवी इंटर कॉलेज, महमूदपुर, में राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान" के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक देशभर में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आपसी सहमति से विवादों का त्वरित, सुलभ और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही ट्रांसजेंडर अधिकारों और बाल तस्करी जैसे गंभीर विषयों पर भी जन-जागरूकता फैलाना इसका एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ज्योति ने की। उन्होंने मध्यस्थता प्रक्रिया की विशेषताओं को विस्तार से समझाते हुए इसे न्याय व्यवस्था पर भार कम करने का एक सशक्त विकल्प बताया। महेश सिंह ने बाल

तस्करी जैसे सामाजिक अपराध पर प्रकाश डालते हुए इसके दुष्प्रभावों पर चिंता जताई। उन्होंने बच्चों के संवैधानिक अधिकारों की जानकारी रखने और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। साथ ही, छात्रों को अपने भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारण करने की प्रेरणा भी दी। लोकमान सिंह ने निःशुल्क विधिक सहायता व प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य सेवाओं की जानकारी साझा की। रितिक चौधरी (क्लर्क) ने उपस्थित विद्यार्थियों और नागरिकों को शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया और उसके समाधान की विधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर डा. प्रथम सिंह, जय देव सिंह, सोवित कुमार, कुलदीप कुमार, पूनम देवी, एवं विद्यालय स्टाफ सहित कई विशिष्ट अतिथि, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौर द्वारा बैठक के प्रमुख बिंदुओं के विषय में अवगत कराय गया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जिस अधिकारी के स्तर पर प्रगति कम है उसको कारण बताओं नोटिस जारी किया जाए। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी)] को लेकर जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि एनआरसी का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए। सैम बच्चों की ई - कवच पर फीडिंग को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को आवश्यक निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने वीएचएसएनडी सत्र पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा वजन एवं माप मशीन लाये जाने को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देशित

करते हुए कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में स्टेडियोमीटर, बच्चों के वजन माप मशीन नहीं हैं वहां मशीन से संतृप्त कराना सुनिश्चित करें। संस्थागत प्रसव को लेकर भी जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिलाधिकारी ने कहा कि होम डिलीवरी प्रत्येक दशा में बंद हो जानी चाहिए संस्थागत प्रसव पर विशेष ध्यान दें। जननी सुरक्षा योजना को लेकर भी चर्चा की तथा जेएसवाई के अन्तर्गत भुगतान को लेकर निर्देशित किया कि शीघ्र भुगतान कराना सुनिश्चित करें। जेएसवाई के भुगतान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आभा आईडी को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त संबंधित अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत को पत्र जारी किया जाए की आभा आईडी में सहयोग करें। जिलाधिकारी ने टीकाकरण के विषय में जानकारी प्राप्त कि एवं संबंधित को निर्देशित किया। वैक्सीनेशन को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के विषय में भी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा जानकारी दी गई जिसको लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि संचारी रोग अभियान के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज विश्नोई, समस्त एमओ आईसी,डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार,जिला पंचायत राज अधिकारी सीपी सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिजनौर में कार के इंजन से निकला 5 फीट लंबा अजगर

बिजनौर(सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक कार के इंजन से अचानक अजगर निकल आया। गाड़ी मालिक ने जैसे ही बोनट खोला, तो इंजन के पास बैटरी के पास अजगर बैठा नजर आया। मामले की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। वन क्षेत्राधिकारी महेश गौतम की देखरेख में टीम मौके पर पहुंची और करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। बाद में उसे वन आरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पकड़े गए अजगर की लंबाई लगभग 5 फीट और वजन करीब 20 किलो है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं अक्सर बारिश या मौसम बदलने पर सामने आती हैं। रेंजर ने वाहन मालिकों से अपील की कि जो लोग अपनी गाड़ियां घर के

बाहर, खाली प्लॉट या जंगल के किनारे खड़ी करते हैं, वे सावधानी बरतें। गाड़ी में बैठने से पहले उसे अच्छी तरह जांच लें, क्योंकि कई बार जहरीले सांप भी वाहनों में घुस जाते हैं, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी सलाह दी कि बाहर खड़ी गाड़ियों के आसपास काला फिनायल या सरसों के दाने डालें। इससे सांप नजदीक नहीं आते। उन्होंने चेतावनी दी कि ड्राइविंग के दौरान सांप के काट लेने की स्थिति बेहद खतरनाक हो सकती है, इसलिए हर किसी को सतर्क रहना चाहिए।

दर्दनाक हादसे में पुलिस उपनिरीक्षक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में बुधवार शाम एक दुखद सड़क हादसे में पुलिस उपनिरीक्षक रहमत अली की मृत्यु हो गई, जबकि उनके सहयोगी उप निरीक्षक पीपन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बेहटा जय सिंह चौराहे से करीब 100 मीटर पहले टिकटा रोड पर हुआ, जब एक अन्य मोटरसाइकिल चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, उप निरीक्षक पीपन सिंह (पुत्र मनफूल सिंह, निवासी फतेहपुर खेड़ी, थाना फुगाना, मुजफ्फरनगर) और उप निरीक्षक रहमत अली (पुत्र बिस्मिल्ला, निवासी गौसपुर, थाना कोतवाली, गाजीपुर), जो दोनों थाना बहजोई में तैनात थे, अपनी मोटरसाइकिल से चौकी नवीन पुलिस लाइन से कस्बा बहजोई की ओर जा रहे थे। तभी सामने से आ रही मोटरसाइकिल, जिसे वीर सिंह (पुत्र दंगली, निवासी ग्राम चंदन कटी, थाना कैला देवी, संभल, उम्र 25 वर्ष) चला रहा था, ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों उपनिरीक्षकों सहित मोटरसाइकिल चालक वीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। उपचार के दौरान उप निरीक्षक रहमत अली की मृत्यु हो गई। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, उप निरीक्षक पीपन सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है और वे चन्दौसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं, हालांकि उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) संभल, कृष्ण कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल उप निरीक्षक पीपन सिंह से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। यह घटना पुलिस विभाग और स्थानीय समुदाय के लिए एक बड़ा झटका है। उप निरीक्षक रहमत अली के निधन पर पुलिस विभाग ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

महिला कल्याण विभाग की टीम ने कॉलेज में दहेज न लेने और न देने की दिलाई शपथ

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले में सेवा पखवाडा 2025 स्वस्थ नारी सशक्त परिवार (17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक) के उपलक्ष में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, राकेश सिंह के दिशा निदेर्शानुसार नेहरू स्मारक इन्टर, गंगेश्वरी कॉलेज में दहेज न लेने और न देने के संबंध में शपथ दिलाई गई। दहेज एक सामाजिक अभिशाप है। दहेज प्रतिषेध अधिनियम-1961 के अंतर्गत दहेज से कोई ऐसी सम्पत्ति या मूल्यवान प्रतिभूति अभिप्रेत है जो विवाह के समय या उसके पूर्व या विवाह के पश्चात किसी समय विवाह के एक पक्षकार द्वारा विवाह के दूसरे पक्षकार को या विवाह के किसी पक्षकार के माता-पिता द्वारा

या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विवाह के किसी भी पक्षकार को या किसी अन्य व्यक्ति को, या तो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दी गई है, या दी जाने के लिए करार की गई उन सभी को सजा का प्रावधान है। दहेज लेना व देना कानूनी अपराध है। इसके अलावा हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की टीम द्वारा महिला कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098 ,181 और एंबुलेंस सेवा 102 और 108 के बारे में बताया गया। इसके अलावा वन स्टाप सेंटर की टीम द्वारा वन स्टॉप सेंटर की जानकारी और चाइल्ड लाइन द्वारा बाल श्रम तथा बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा बच्चों के कानूनी अधिकार और बाल विवाह व बाल श्रम के खिलाफ जागरूक किया गया। इस अवसर पर हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (HEW) के कार्मिक कृ0 ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की ममता दुबे, सेन्टर मैनेजर एवं नरेन्द्र पाल प्रधानाचार्य, अध्यापिका एवं बालिकायें/बालक एवं नरेन्द्र पाल आदि उपस्थित रहे।

कुरैशी बिरादरी के लोगों ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी आवश्यक सामग्री से भरी गाड़ी

बाढ़ पीड़ितों के लिए कुरेशियान मस्जिद से भेजा राहत सामग्री का कारवां

स्योहारा/ बिजनौर (सब का सपना):- जुमेरात के बाजार मस्जिद कुरैशियान से आज एक विशेष राहत सामग्री से भरा वाहन पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए रवाना किया गया। यह राहत सामग्री शहर की कुरैशी बिरादरी के लोगों की ओर से भेजी गई है। इस अभियान को सफल बनाने में सलमान कुरैशी उर्फ मुन्ना, नईम कुरैशी, शाहनवाज कुरैशी, वसीम कुरैशी (टेलर), वरिश कुरैशी, जुबेर कुरैशी, परवेज कुरैशी, सलमान कुरैशी, राशिद कुरैशी पुत्र नजाकत,साहिल कुरैशी, समीर कुरैशी, अमानत कुरैशी और इलियास कुरैशी जैसे समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी मेहनत से सामग्री एकत्र की। इस राहत सामग्री में पीड़ितों की जरूरत के हिसाब से कई आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं, जिनमें प्लास्टिक के सामान, आटा, चावल, तेल,बच्चों के डाइपर, टूथपेस्ट, ब्रश, बिस्लरी का पानी, कंबल, हॉटपॉट, बाल्टियां और अन्य दैनिक उपयोग की चीजें शामिल हैं। यह सामग्री बाढ़ से प्रभावित लोगों के काम आएगी और उन्हें इस मुश्किल घड़ी में राहत पहुंचाएगी। कुरैशी बिरादरी के इस पहल से समाज में एकजुटता और मानवता की मिसाल कायम हुई है।

तहसीलदार ने अवैध मिट्टी खनन कर रहे ट्रैक्टर-ट्राली व लोडर को किया सीज

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में अवैध मिट्टी खनन पर प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए खनन माफियाओं पर नकेल कस दी है। तहसीलदार ने टीम के साथ छापेमारी कर मौके से दो ट्रैक्टर-ट्राली और एक लोडर को सीज कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना नूरपुर क्षेत्र के धामपुर रोड स्थित एक कॉलोनी में खुलेआम अवैध मिट्टी खनन किया जा रहा था। खनन माफिया दिन के उजाले में ही नियमों को ताक पर रखकर ट्रैक्टर-ट्राली व लोडर से मिट्टी निकालकर कॉलोनी में डाल रहे थे। इसकी सूचना मिलते

ही तहसीलदार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और छापेमारी कर दी। प्रशासन की अचानक हुई इस कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि लंबे समय से इस क्षेत्र में अवैध खनन का खेल चल रहा था, जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा था। तहसीलदार ने बताया कि अवैध खनन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों के खिलाफ मिट्टी खनन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सीज की गई ट्रैक्टर-ट्राली और लोडर को थाने में खड़ा कराया गया है और संबंधितों पर कानूनी कार्यवाही की जा रही है। प्रशासन की इस कार्यवाही से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है और उम्मीद जताई है कि आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर पालिका परिषद जायस के वार्ड सं0-14 हेतु रिक्त सदस्य पदों पर उप निर्वाचन की अधिसूचना जारी

अमेठी(सब का सपना) :- जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) संजय चौहान ने नगर पालिका परिषद जायस के रिक्त सदस्य पद वार्ड संख्या-14 के महिला आरक्षण श्रेणी के पद पर उप निर्वाचन विनिर्दिष्ट समय सारिणी के अनुसार कराये जाने हेतु निर्देशित किया है। इस क्रम में उन्होंने बताया कि नाम निर्देशन पत्रों की प्राप्ति 19 सितम्बर 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (मंगलवार) 30 सितम्बर 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे से कार्य की समाप्ति तक, अभ्यर्थन वापसी (शुक्रवार) 03 अक्टूबर 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक, प्रतीक आवंटन (सोमवार) 06 अक्टूबर 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे से कार्य की समाप्ति तक एवं मतदान (बुधवार) 15 अक्टूबर 2025 को प्रातः 07 बजे से 05 बजे तक तथा मतगणना (शुक्रवार) 17 अक्टूबर 2025 को प्रातः 08 बजे से कार्य की समाप्ति तक सम्पन्न किया जायेगा। उन्होंने बताया उल्लिखित समय सारिणी के अनुसार रिटर्निंग अधिकारी सम्बन्धित नगरीय निकाय के उप निर्वाचन की सार्वजनिक नोटिस 19 सितम्बर 2025 को जारी करेंगे तथा उसकी प्रतिलिपि जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रेषित करेंगे तथा रिटर्निंग अधिकारी द्वारा सार्वजनिक सूचना निर्गत करने की तिथि से नामांकन पत्रों का विक्रय किया जायेगा। उन्होंने बताया कि नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा, अभ्यर्थन वापस लेने, प्रतीक आवंटन एवं मतगणना की कार्यवाही सम्बन्धित रिटर्निंग अधिकारी/ सहायक रिटर्निंग अधिकारी द्वारा सम्बन्धित नगरीय निकाय की सम्बन्धित तहसील मुख्यालय तिलोई में होगा एवं नामांकन प्रक्रिया तहसील तिलोई में न्यायालय नायब तहसीलदार दक्षिणी कक्ष में सम्पन्न होगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु अपने कार्यालय तथा सम्बन्धित नगरीय निकायों के मुख्यालय सूचना पट्ट पर कार्यक्रम प्रदर्शित करेंगे एवं उक्त उप निर्वाचन उ0प्र0 नगर पालिका (सदस्यों, पार्षदों, अध्यक्षों और महापौरों का निर्वाचन) नियमावली-2010 के प्रावधानों के अनुसार सम्पन्न होगा। उन्होंने बताया कि नगरीय निकाय निर्वाचन हेतु आयोग द्वारा निर्धारित उपर्युक्त समय सारिणी के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों पर भी सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

अमेठी प्रशासन करेगा शहीद स्मारक कादूनाला के ऐतिहासिक घटनाक्रम का अभिलेखीकरण

अमेठी(सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने जानकारी दी है कि जिला प्रशासन अमेठी, शहीद स्मारक कादूनाला से संबंधित ऐतिहासिक घटनाक्रम का अनुशीलन करते हुए उसके व्यवस्थित अभिलेखीकरण की परियोजना पर कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत उस स्थल से जुड़े ऐतिहासिक, सामाजिक एवं लोक विमर्श से संबंधित प्रसंगों पर आमजन से सुझाव, अभिमत एवं पक्ष आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यदि कोई प्रसंग या घटना साझा की जाए तो उसके साथ उपलब्ध साक्ष्य अथवा संदर्भ भी संलग्न किया जाए। यदि जानकारी का स्रोत लोक चर्चा है, तो उसे साझा करते समय नाम, पता सहित कुछ सहमतियों के हस्ताक्षर भी जोड़ना उपयुक्त होगा। अपने अभिमत /पक्ष/सूचनाएं मुख्य विकास अधिकारी अमेठी के आधिकारिक ई-मेल cdo-amethi@ up.gov.in पर 15 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 के बीच भेज सकते हैं।

जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक ने जारी किये आवश्यक दिशा-निर्देश

अमेठी(सब का सपना):- जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि जनपद में बिना पंजीकरण के विधि विरूद्ध ढंग से कोचिंग संचालित हो रही है तथा कुछ पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं द्वारा पंजीकृत छात्र संख्या से अधिक छात्राओं को सम्मलित किया गया है अथवा बिना नवीनीकरण के कोचिंग संचालित की जा रही है। इस क्रम में उन्होंने समस्त कोचिंग संस्थाओं को सूचित किया कि वह एक सप्ताह के अन्दर अवैध कोचिंग का संचालन बन्द कर दें, कालातीत कोचिंग संस्थाओं का नवीनीकरण/पंजीकरण करवा लें साथ ही पंजीकृत कोचिंग में नामांकित विद्यार्थियों के सापेक्ष पंजीकरण भी करवा लें, अन्यथा निरीक्षण/सत्यापन के दौरान यदि अपंजीकृत कोचिंग संचालित पायी जाती है तो सम्बन्धित कोचिंग संस्था के संचालक के विरुद्ध उ०प्र० कोचिंग विनियमन अध्यादेश 2002 यथा संशोधित प्राविधानानुसार प्राथमिकी दर्ज कराते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी जिसके लिए कोचिंग संचालक स्वयं उत्तरदायी होगें। इस सम्बन्ध में उन्होंने जनसामान्य को यदि उनके आस-पास कोई अवैध कोचिंग/शिक्षण संस्थान संचालित है तो सम्बन्धित तहसील प्रभारी क्रमशः तहसील गौरीगंज हेतु राजकीय हाईस्कूल अफुइया के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार रविया मो0नं0-7007450377, तहसील तिलोई हेतु राजकीय इण्टर कालेज राजाफत्तेपुर के प्रधानाचार्य विनोद कुमार पाण्डेय मो0नं0-7905625819, तहसील अमेठी हेतु राजकीय बालिका इण्टर कालेज सोनारीकला के प्रधानाचार्य रत्नेश सिंह मो0नं0-8099231073, तहसील मुसाफिरखाना हेतु पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कालेज धरौली के प्रधानाचार्य सुनील कुमार विश्वकर्मा मो0नं0-9574121882 को दूरभाष पर सूचना देने के साथ ही कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक अमेठी के अधिकारिक ई-मेल आई०डी० rmsaamethi@gmail.com पर भी सूचना दी जा सकती है।

गोकशी के अभियोग में वांछित 2 नफर वांछित अभियुक्त हुए गिरफ्तार-

अमेठी(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में थाना जायस पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 168/25 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम थाना जायस

जनपद अमेठी व मु0अ0सं0 169/25 धारा 109 बीएनएस थाना जायस जनपद अमेठी में वांछित 02 नफर अभियुक्तों 01. सैफुल्ला पुत्र नसीर निवासी मोहल्ला ख्वाजगान थाना जायस जनपद अमेठी उम्र करीब 40 वर्ष, 02. इरफान पुत्र मकबूल निवासी हटिया थाना जायस जनपद अमेठी उम्र करीब 29 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों के कब्जे से गोकशी के उपकरण (01 अदद चापड़, 02 अदद छुरी, 01 अदद लकडी का ठीहा, 04 प्लास्टिक की रंगीन रस्सी, 39 प्लास्टिक की काली रस्सी, 01 प्लास्टिक का झोला, व 01 अदद प्लास्टिक की बोरी बरामद हुआ । पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने बताया कि दिनांक 11/12.09.2025 की रात्रि में ग्राम सरायमहेशा में उन्होंने अपने 04 अन्य साथियों के साथ मिलकर गोकशी की घटना कारित की थी । दिनांक 12/13. 09. 20256 वह लोग पुनः गोकशी करने के लिए इकट्ठे हुए थे । मगर पुलिस टीम के आ जाने के कारण पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया था । गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना जायस पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

रिश्तेदारों से धोखाधड़ी और धनवसूली के आरोप में अंकुश और उसका भाई विनायक गिरफ्तार, न्यायालय ने जेल भेजा

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- आठ माह से सक्रिय एक संगठित गिरोह के सदस्य अंकुश और उसके भाई पर आखिरकार शिकंजा कस ही गया। भोले-भाले लोगों को फंसाकर धन वसूलने और रिश्तेदारों को झूठे मुकदमों में उलझाने के आरोप में पुलिस ने गुरुवार को अंकुश वार्ष्णेय, उसकी पत्नी और छोटे भाई को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस जांच में सामने आया कि अंकुश वार्ष्णेय ने अपने ही रिश्तेदारों के खिलाफ मनगढ़ंत तहरीरें अलीगढ़ के क्वार्सी और सासनी गेट थानों में दिलवाकर मोटी रकम वसूलने की कोशिश की थी। आरोप है कि उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर महिला से भी नामजद तहरीरें लिखवाकर धन उगाही की योजना बनाई, लेकिन पुलिस जांच में यह रिपोर्टें झूठी पाई गईं। फिलहाल अंकुश वार्ष्णेय के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में वारंट जारी हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने उसे, उसकी पत्नी और छोटे भाई को गिरफ्तार कर मेडिकल उपरांत जिला न्यायालय अलीगढ़ में पेश किया। जहां महिला को जमानत मिल गई, लेकिन अंकुश वार्ष्णेय और उसके भाई को मुरादाबाद जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी के दौरान कोतवाली में महिला ने हंगामा किया और पुलिस से तीखी नोकझोंक की, लेकिन पुलिस ने संयम बनाए रखा। पुलिस सूत्रों के अनुसार अंकुश वार्ष्णेय पर पहले भी धोखाधड़ी, रिश्तेदारों से धनवसूली और अवैध वसूली की योजनाओं में शामिल रहने के आरोप लगते रहे हैं।

जनपद में जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कार्यशाला का हुआ सफल आयोजन

अमेठी(सब का सपना):- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रायोजित एवं अवोक इंडिया फाउंडेशन द्वारा संचालित जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि भवन, ताला में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों, जमाकताओं एवं आम नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं के संबंध में उनके अधिकार एवं जिम्मेदारियों, सुरक्षित एवं स्वस्थ बैंकिंग प्रैक्टिस, वित्तीय जागरूकता तथा विभिन्न प्रकार की धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। साथ ही प्रतिभागियों को शिकायत निवारण प्रणाली की विस्तृत जानकारी भी दी गई। वक्ताओं ने इस अवसर पर बताया कि आज के समय में यह कार्यक्रम अत्यंत

उपयोगी है क्योंकि किसान अक्सर धोखाधड़ी का शिकार होकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। अतः ह्लजानकार बनें, सतर्क रहेंह्व की भावना को अपनाकर ही सुरक्षित बैंकिंग संभव है। कार्यशाला में केवाईसी एवं पुनः केवाईसी की अनिवार्यता, विभिन्न प्रकार के बैंक खातों की जानकारी, सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रणाली, ऋण संबंधी जानकारी आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अवोक इंडिया फाउंडेशन से आए विशेषज्ञों ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को जागरूक किया। कार्यशाला में कृषि एवं सम्बद्ध विभागों (उद्यान, मत्स्य, पशुपालन, मृदा परीक्षण एवं भूमि संरक्षण) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जनपद के प्रगतिशील कृषकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में यह आह्वान किया गया कि प्रत्येक किसान और जमाकर्ता अपने अधिकारों एवं बैंकिंग प्रक्रियाओं के प्रति सजग रहें तथा समय-समय पर प्राप्त होने वाली जानकारियों को अपनाकर सुरक्षित वित्तीय जीवन सुनिश्चित करें।

महिला हिंसा रोकथाम पर जनचेतना रैली निकाली गई

अमेठी(सब का सपना):- महिला कल्याण विभाग द्वारा जनपद में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार मनाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को महिला कल्याण विभाग की ओर से महिला एवं बालिका सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, वन स्टॉप सेंटर, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य/कोविड), स्पॉन्सरशिप योजना, पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं को रैली के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया गया। महिला हिंसा रोकथाम पर जनचेतना रैली का आयोजन हुआ। रैली को

उपजिलाधिकारी/प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी सात्विक श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गौरीगंज की छात्राओं द्वारा विद्यालय से निकलकर तहसील गौरीगंज मोड़ तक निकाली गई। रैली के माध्यम से छात्राओं ने न दहेज लेंगे, न दहेज देंगे तथा महिला हिंसा रोकथाम से जुड़े संदेशों को आमजन तक पहुंचाया। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों में विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों द्वारा यह शपथ ली गई कि वे बालिकाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार और आचरण करेंगे। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी अमेठी, पुलिस विभाग की टीम, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या व शिक्षकगण, मिशन वात्सल्य योजना की टीम, वन स्टॉप सेंटर अमेठी की टीम, चाइल्ड हेल्पलाइन अमेठी की टीम तथा हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना की टीम मौजूद रही।

अमेठी में सेवा पर्व पर 15 दिवसीय प्रदर्शनी : प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व, कृतित्व और योजनाओं पर रोचक झलक

आज दूसरे दिन जिलाध्यक्ष भाजपा सहित अन्य लोगों ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अमेठी(सब का सपना):- सेवा पर्व के अवसर पर सूचना विभाग अमेठी द्वारा जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर, गौरीगंज के प्रांगण में 15 दिवसीय विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व, न्यू इंडिया @2047 की परिकल्पना तथा उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी के दूसरे दिन भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने भारी संख्या में उपस्थित जनसामान्य के साथ इसका अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने का प्रभावी माध्यम है। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री आवास

योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, स्टार्टअप एवं स्वरोजगार योजनाओं के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि से जुड़ी योजनाओं का आकर्षक और रोचक पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शन किया जा रहा है। लोगों ने विशेष रुचि लेकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और यह भी जाना कि इन योजनाओं से किस प्रकार वे सीधे लाभान्वित हो सकते हैं। प्रदर्शनी प्रतिदिन आमजन के लिए खुली रहेगी, जहां नागरिक अपनी सुविधा अनुसार विभिन्न योजनाओं की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री राकेश त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य अभिषेक चंद्र कौशिक, सूर्य नारायण तिवारी, अरुण मिश्रा, संतोष द्विवेदी, दिनेश तिवारी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

हरियाणा में लेक्चरर भर्ती परीक्षा का शेड्यूल जारी, यहां चेक करें एग्जाम तारीख

पंचकूलाः हरियाणा लोक सेवा आयोग ने विभिन्न विषयों में लेक्चरर पदों पर भर्ती के लिए सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट की तारीखें घोषित कर दी हैं। ये परीक्षाएं 15 से 24 सितंबर तक होंगी। उम्मीदवार अपने एडमिट कार्ड 10 सितंबर से आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। जारी कार्यक्रम के मुताबिक 15 सितंबर को कृषि इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी और आर्किटेक्चर विषयों की परीक्षा होगी। 17 सितंबर को इंस्ट्रूमेंट एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, फैशन टेक्नोलॉजी और मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी की परीक्षा आयोजित होगी। 19 सितंबर को लाइब्रेरी साइंस और ऑफिस मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन का टेस्ट लिया जाएगा, जबकि 24 सितंबर को फैशन डिजाइन, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और बिजनेस मैनेजमेंट विषयों की परीक्षा होगी। आयोग ने उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड ए-4 साइज पेपर पर साफ प्रिंट करने की हिदायत दी है। छोटे आकार या धुंधली फोटो वाले एडमिट कार्ड के साथ अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। साथ ही, उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे एडमिट कार्ड पर अंकित सभी निर्देश ध्यान से पढ़ें और परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुंचें। इन परीक्षाओं के जरिए प्रदेश में तकनीकी और प्रबंधन विषयों के कॉलेजों में लेक्चरर पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।

हरियाणा के इस जिले में हाईटेक बस डिपो बनकर तैयार, अगले महीने चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

पानीपत पानीपत में पुराने बस स्टैंड को ई-बस डिपो में परिवर्तित किया गया है। डिपो में 40 नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल की जाएंगी, जिनकी उपलब्धता को लेकर हरियाणा सिटी बस सर्विस लिमिटेड से बातचीत जारी है। माना जा रहा है कि 23 सितंबर को नई इलेक्ट्रिक बस स्टैंड का उद्घाटन होगा। यदि बसों की उपलब्धता में देरी हुई तो अक्टूबर के पहले सप्ताह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा ई-बस डिपो का उद्घाटन किया जाएगा।

शहर में बनाए जाएंगे 14 नए बस स्टॉप

पानीपत के ई-बस बेड़े में 40 नई बसें शामिल होंगी, जो शहर के साथ-साथ आस-पास के कस्बों तक सेवा प्रदान करेंगी। शहर में 14 नए बस स्टॉप बनाए जाएंगे, जबकि समालखा, शाहरपुर, असंध और घरौंडा क्षेत्र में भी अलग से बस स्टॉप होंगे। इसके अलावा, सिटी बस सेवा शामली तक संचालित की जाएगी। डिपो में आवश्यक सुविधाओं और बस स्टॉप के ठहराव की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। फिलहाल शहर में पांच

इलेक्ट्रिक सिटी बसें चल रही हैं, जिनके अच्छे रिस्पांस के बाद 40 नई बसें खरीद ली गई हैं, जिनका संचालन अप्रैल से शुरू होगा।

इलेक्ट्रिक बसों की अधिकतम गति तयइलेक्ट्रिक बसों की अधिकतम गति 50 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है। इससे अधिक गति पर कंट्रोल रूम को सूचना मिलती है और चालक को जवाब देना होता है, जिससे यात्रा सुरक्षित बनी रहेगी। प्रदेश में कुल 450 अत्याधुनिक और वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए 2450 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत है, जो यात्रियों को आरामदायक एवं प्रदूषण रहित सफर उपलब्ध कराएगी।

अक्टूबर के पहले सप्ताह में डिपो शुरू हो जाएगाः रोडवेज जीएम

पानीपत रोडवेज के जीएम विक्रम कांबोज ने बताया कि ई-बस डिपो का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और फिनिशिंग का काम जारी है। विभाग की ओर से अभी उद्घाटन के लिए आधिकारिक सूचना नहीं आई है, लेकिन उम्मीद है कि अक्टूबर के पहले सप्ताह में डिपो शुरू हो जाएगा। उद्घाटन की तारीख बसों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी और आदेश मिलने पर सूचना दी जाएगी।

हरियाणा के 56 सरपंचों का आगरा-मथुरा दौराः इनमें 21 महिला सरपंच भी हैं शामिल, इस काम का लेंगे जायजा

पानीपत : विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने 5 दिवसीय एक्सपोजर विजिट को हरी झंडी दिखाकर लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह से गुरुवार को रवाना किया। इस 5 दिवसीय एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम में जिले के 56 सरपंच जिनमें 21 महिला और 35 पुरुष शामिल हैं। ये सभी उत्तर प्रदेश के मथुरा और आगरा का दौरा करेंगे। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने आगे बताया कि यह एक्सपोजर विजिट 18 से 22 सितम्बर तक आयोजित होगी। जिसका संचालन गुरुग्राम की एक कंसल्टिंग कंपनी द्वारा किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को सबसे पहले मथुरा और आगरा की ग्राम पंचायतों द्वारा शुरू की गई विभिन्न नवाचारी पहलों से अवगत कराया जाएगा, ताकि वे इन अच्छी प्रथाओं को हरियाणा की पंचायतों में लागू करने की जानकारी मिल सके। पंवार ने बताया कि इन सभी के साथ 6 महिला और 6 पुरुष अधिकारी भी नामित किए गए हैं जो आधिकारिक तौर पर उनके साथ कार्यशैलियों का जायजा लेंगे। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक वेस्टेज ट्रीटमेंट प्लांट, महिलाओं के लिए बनाए गए विशेष अस्पताल, स्वयं सहायता समूह के लिए बनाए गए बाजार, पार्क विद आउटडोर जिम, अमृत सरोवर, जलापूर्ति, स्थानीय महिलाओं के लिए सिलाई सेंटर, वॉटर टैंक, वृद्धों के लिए ओल्ड एज होम इत्यादि की जानकारी लेंगे।

हरियाणा रोडवेज की बस खंभे से टकराई, 15 यात्री घायल, चंडीगढ़ से रोहतक जा रही थी बस

पानीपतः हरियाणा रोडवेज की बस पानीपत जिले के डाहर टोल प्लाजा पर एक खंभे से टकरा गई। दुर्घटना में बस में सवार 15 यात्री घायल हो गए। घायलों को एनसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। यह घटना पानीपत के पास हुई, जब बस चंडीगढ़ से रोहतक जा रही थी। मामले की सूचना मेडिकल कॉलेज स्टाफ द्वारा पुलिस को दी गई है।

तेज रफ्तार में थी रोडवेज बस

जानकारी के अनुसार, रोहतक डिपो की बस (नंबर HR 65 GB 8436) तेज रफ्तार में थी। टोल प्लाजा के पास पहुंचने पर ड्राइवर बस को नियंत्रित नहीं कर सका, जिससे बस खंभे से जा टकराई। यात्रियों ने बताया

कि बस की गति बहुत अधिक थी और टोल के नजदीक आने पर भी ड्राइवर ने रफ्तार कम नहीं की। टक्कर लगते ही बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

टोल कर्मियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर यात्रियों को बस से बाहर निकाला।

घायलों में बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें टोल प्लाजा की एम्बुलेंस से एनसी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। हादसे में घायलों में ये शामिलघायलों की पहचान नायरा (2 वर्ष, पुत्री देवेंद्र कुमार), सतवंती (पत्नी कृष्ण कुमार), अनु (पत्नी साहिल), बेबी वंशिका (पुत्री साहिल), शौर्य (पुत्र साहिल), महेश (पुत्र रामचंद्र), पूनम (पुत्री जयभगवान), अनु (पत्नी साहिल), सुशील कुमार (पुत्र आनंद कुमार), कृष्ण कुमार (पुत्र रामेश्वर), सुमित्रा (पत्नी रामेश्वर), कमलेश (पत्नी रमेश कुमार), नेहा (पुत्री दिलबाग), विकास (पुत्र राम अवतार) और फूलपति (पत्नी मदन सिंह) के रूप में हुई है। मामले की सूचना एनसी मेडिकल कॉलेज स्टाफ द्वारा इसराना थाना पुलिस को दी गई है। वहीं, पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

पंचकूला में रिटायर्ड शिक्षा अधिकारी से बाइक सवार बदमाशों ने की लूट, पुलिस जांच में जुटी

पंचकूलाः पंचकूला में रिटायर्ड शिक्षा विभाग के अधिकारी के साथ बाइक सवार बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने शिक्षा विभाग के अधिकारी की शिकायत पर सेक्टर-5 थाना ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है, ताकि लुटेरों का पता चल सके। नकारी के अनुसार शिक्षा विभाग के रिटायर्ड अधिकारी मोहन लाल सैनी, जो सेक्टर-5ए पंचकूला के रहने वाले हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग से रिटायर्ड अधिकारी हैं। बीते दिन वह सेक्टर 16 में अपनी गाड़ी का फास्टैग रिचार्ज करवाने गए थे, तभी लौटते समय सेक्टर 9/10 और 11/15 के बीच के चौक पर दो बाइक सवारों ने उन्हें रोका और किसी जगह का पता पूछने लगे। फिर उन्होंने मौका पाकर पर्स छीनकर फरार हो गए। शिक्षा अधिकारी ने शोर भी मचाया, लेकिन आरोपी मौके से फरार हो गए। पर्स में 10 हजार रुपए नकद, एटीएम कार्ड, पेंशन कार्ड, सीनियर सिटीजन कार्ड और अन्य कागजात थे। पीड़ित ने तुरंत बैंक जाकर अपना एटीएम कार्ड ब्लॉक करवाया। रिटायर्ड अधिकारी ने इसकी शिकायत सेक्टर-5 थाना पुलिस को दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले को लेकर पंचकूला सेक्टर-5 पुलिस थाना के जांच अधिकारी अरकसुनील ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के उळळश चेक किए जा रहे हैं। लेकिन अभी तक कोई सुरान नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रेप के दोषी को कोर्ट ने सुनाई कठोर सजा, नाबालिग से दुष्कर्म कर बनाई थी अश्लील वीडियो

नूंह : नूंह जिले की फास्ट ट्रैक पोक्सो कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाने के मामले में मुख्य आरोपी राहुल को दोषी करार देते हुए 20 साल के कठोर कारावास और 65 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ना अदा न करने की स्थिति में दोषी को अतिरिक्त 6 माह जेल में रहना होगा। पीड़िता की मां ने जुलाई 2022 में थाने में दी शिकायत बताया कि आरोपी ने कई बार पर उसकी नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ और जबरन दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, उसने नाबालिग के बाथरूम में अश्लील वीडियो बनाए और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर डराया-धमकाया। इस शिकायत में खासतौर पर 27 दिसंबर 2021 और 11 जुलाई 2022 की घटनाओं का उल्लेख किया गया था। इस पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया और मेडिकल रिपोर्ट, घटना स्थल निरीक्षण व गवाहों के बयान सहित पुख्ता सबूत पेश किए। इससे समाज में कड़ा संदेश जाएगा- कोर्ट अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. आशु संजीव तिंजन ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को निर्णायक मानते हुए 3 साल की सुनवाई के बाद मंगलवार को यह सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि ऐसे अपराधों में कठोर दंड से समाज में कड़ा संदेश जाएगा।

जींद में हत्या के 7 दोषियों को उम्रकैद, शराब ठेकेदार का दिन-दहाड़े कर दिया था मर्डर

जींद : जींद जिले में करीब 9 साल पुराने शराब ठेकेदार नरेंद्र राठी हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। एडिशनल सेशन जज नेहा नोहरिया की अदालत ने 7 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 48-48 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। जुमार्ना अदा न करने पर दोषियों को 2 साल अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला 5 जून का 2016 है, जब गांव साहनपुर निवासी राजकरण ने सफीदों थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका भाई नरेंद्र अपने साढू सतपाल के साथ कार में गांव जा रहा था। रास्ते में 2 गाड़ियों में आए बदमाशों ने उनकी कार रोककर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। नरेंद्र को 5 गोलियां लगीं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सतपाल घायल हुआ और उसे इलाज के लिए पानीपत ले जाया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर गांव शेरखां खेड़ी निवासी विजय, सिल्लाखेड़ी निवासी राजेंद्र, ईक्कस निवासी अशोक उर्फ शोकी, सिवाहा निवासी प्रसन्ना, धड़ौली निवासी मोनू उर्फ सोनी, हाड़वा निवासी किश्मत और अन्य पर हत्या, शस्त्र अधिनियम और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोप पत्र दाखिल किया था। जिसमें करीब 9 साल बाद 7 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

बीजेपी नेता को धमकी देने वाला बदमाश गिरफ्तार, फेसबुक पर डाली थी हथियार समेत फोटो

फतेहाबाद : फतेहाबाद में बीजेपी नेता को जान से मारने की धमकी देने वाले देने वाला हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने फेसबुक पर हथियार के साथ फोटो डालकर इखढ नेता को धमकी दी थी। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करेगी। इस मामले को लेकर शहर थाना प्रभारी सुरेंद्रा ने बताया कि गांव ढाणी मियां खां निवासी हिस्ट्रीशीटर नवदीप सिंह उर्फ जॉली सुल्तान ने फेसबुक पर हथियार के साथ एक फोटो अपलोड की और बीजेपी किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश सचिव भवानी सिंह को जान से मारने की धमकी थी। इसके बाद बीजेपी नेता ने मामले की शिकायत पुलिस में की। शिकायत में बीजेपी नेता ने कहा कि भवानी सिंह समाज सुधार एवं नशा विरोधी अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं, जिस कारण उन्हें निशाना बनाया गया। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपी के खिलाफ पहले से सिटी थाना फतेहाबाद में 4 केस दर्ज है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले में सिटी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि आरोपी को कोर्ट में किया जाएगा।

हरियाणा में छात्र संघ चुनाव करवाने में फेल इखढ सरकार, दीपांशु बंसल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को भेजा पत्र

चंडीगढ : कांग्रेस छात्र इकाई, एनएसयूआई लीगल सेल के राष्ट्रीय सह-संयोजक दीपांशु बंसल एडवोकेट ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश के सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव करवाने में पूरी तरह फेल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया था, लेकिन तीसरी बार सरकार बनने के बाद भी यह वादा पूरा नहीं हुआ। दीपांशु बंसल ने कहा कि हरियाणा के 10 सरकारी विश्वविद्यालयों और 180 सरकारी कॉलेजों में लाखों छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं, जिन्हें पिछले करीब 30 सालों से प्रत्यक्ष रूप से छात्र नेता चुनने का लोकतांत्रिक अधिकार नहीं मिला। वर्ष 1995 में भजनलाल सरकार के दौरान आखिरी बार प्रत्यक्ष चुनाव हुए थे। 2018 में मनोहर लाल सरकार ने अप्रत्यक्ष चुनाव करवाए, लेकिन उनमें सभी छात्रों को मतदान का अधिकार नहीं दिया गया।उन्होंने कहा कि भाजपा ने सत्ता से बाहर रहते समय चुनावी घोषणापत्र में छात्रों को बहलाने के लिए चुनाव करवाने का वादा किया, मगर सत्ता में आते ही कानून-व्यवस्था और माहौल खराब होने का बहाना बना लिया। दीपांशु बंसल ने कहा कि छात्र राजनीति लोकतंत्र की नर्सरी है, जहां से देश को बड़े-बड़े नेता मिले हैं। भाजपा यहां चुनाव इसलिए नहीं करवाती क्योंकि उसे डर है कि छात्र राजनीति में उसे समर्थन नहीं मिलेगा।उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तुरंत प्रत्यक्ष छात्र संघ चुनाव करवाने का ऐलान करें, ताकि हरियाणा के छात्र भी अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल कर सकें।

डीसी साहब... सरकारी सब्सिडी नहीं मिलने पर हो गया बर्बाद, जहर खाकर आत्महत्या की अनुमति दें

चरखी दादरी : एक तरफ सरकार द्वारा खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं किसानों को उपलब्ध करवाई जा रही हैं वहीं दूसरी तरफ एक किसान द्वारा सरकार की योजना के तहत ना सब्सिडी मिली और ना ही जमीन की एनओसी। अधिकारियों के चक्कर काटे, सीएम विंडो तक अरदास लगाई।

बावजूद काई समाधान नहीं मिला तो कर्ज की मार से आत्महत्या के लिए किसान ने दादरी डीसी से अनुमति मांगी है। किसान ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा, साहब... सरकारी सब्सिडी नहीं मिलने से बर्बाद हो गया। कर्ज के कारण पहले बेटा की अटैक आने से मौत हो गई, अब ऐसे में आत्महत्या करने के अलावा कोई समाधान नहीं है। हालांकि डीसी द्वारा

मामले में जांच के लिए कमेटी बनाकर समाधान का आश्वासन दिया है।

बता दें कि दादरी जिला के गांव धारणी निवासी किसान भूप सिंह ने कई वर्ष पहले मशरूम की खेती के लिए बागवानी विभाग के माध्यम से बैंक से लोन लेकर प्रोजेक्ट शुरू किया था। किसान भूप सिंह ने बताया कि बैंक से लिये लोन का पूरा चुकता कर दिया है, बावजूद इसके सरकारी सब्सिडी की करीब 12 लाख रुपए की राशि तीन साल बाद भी नहीं मिली। ऐसे में लगातार कर्ज बढता गया और वे बर्बाद हो गए। अधिकारियों के पास जमीन की एनओसी लेने गया तो पैसे मांगे। सीएम विंडो में दरखास्त लगाई, अधिकारियों को मांग पत्र सौंपे। लेकिन उसे ना सब्सिडी मिली और ना जमीन की एनओसी। लगातार बढ़ रहे कर्ज के चलते उसका बेटा भी चल बसा। किसान भूप सिंह ने बताया कि परिवार बर्बाद होने के कारण अब दादरी डीसी से 19 सितंबर को आत्महत्या करने की अनुमति मांगी है। किसान ने जहर की शीशी के साथ अनुमति पत्र दिखाते हुए वह ग्रामीणों व परिवार के साथ डीसी कार्यालय पहुंचकर जहर खाकर आत्महत्या करेगा। जिसके जिम्मेदार संबंधित विभागों के अधिकारी होंगे।मामला संज्ञान में आया, कमेटी बनाई

डीसी डा. मुनीष नागपाल ने कैमरा से दूरी बताते हुए सिर्फ इतना बताया कि किसान को सब्सिडी नहीं मिलने का मामला संज्ञान में आया है। किसान को समझाने का प्रयास किया जा रहा है और कमेटी बनाई गई है। कमेटी मामले की जांच करेगी और ठोस कार्रवाई की जाएगी।

अनिल विज ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस पर हाईड्रोजन बम इत्यादि की टिप्पणी पर तीखी नाराजगी जताई

चंडीगढः हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस पर हाईड्रोजन बम इत्यादि की टिप्पणी पर तीखी नाराजगी जताई और कहा कि राहुल गांधी ऐसे पहले नेता हैं जो अपने ही देश पर हाइड्रोजन बम छोड़ने जैसी बातें कर रहे हैं। यह बेहद गैर-जिम्मेदाराना और देशहित के खिलाफ है। आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए श्री विज ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन जिस तरह की नकारात्मक शब्दावली का वे प्रयोग कर रहे हैं, वह बिल्कुल उचित नहीं है। देश के संदर्भ में हाइड्रोजन बम और एटम बम जैसे शब्दों का इस्तेमाल जनता के मन में भय और भ्रम पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का कर्तव्य सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना

है, लेकिन ऐसी बयानबाजी देशहित में नहीं है ।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को अपने आरोपों के समर्थन में सबूत प्रस्तुत करने चाहिए, लेकिन इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल केवल नकारात्मक सोच को दशार्ती है। श्री विज ने कहा कि राहुल गांधी जी पर नकारात्मकता इतनी हावी हो चुकी है कि अब उनकी शब्दावली भी नकारात्मक हो गई है। यही वजह है कि वे अच्छे शब्दों की बजाय देश को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि श्री विज ने आज अपनी एक्स हैंडल (पहले टवीटर) में पर लिखा कि राहुल गांधी जी विश्व के पहले ऐसे राजनेता हैं जो अपने ही देश में एटम बम और हाइड्रोजन बम गिराने की भावना रखते हैं । आप को पत्रकार वार्ता में कुछ भी बात रखने का अधिकार है। यदि आपकी भावना अच्छी है तो आप इसी बात के लिए कोई और शब्दावली इस्तेमाल कर सकते थे परन्तु हकीकत यह है कि आप पर नकारात्मकता इतनी हावी हो चुकी है कि न आप अच्छा सोचते हैं और न ही अच्छा बोलते हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता लगने वाली है।

एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, वो आ रहा है। इससे पहले उन्होंने 7 अगस्त और 11 सितंबर को भी वोट चोरी के मुद्दे पर प्रेस से बात करते हुए डायनामिक एक्सप्लोसिव सबूत पेश करने की बात कही थी।

हाईकोर्ट से एमएलए देवेंद्र अत्री को बड़ा झटका, 32 वोटों से हराया था बृजेंद्र सिंह को

चंडीगढ़ : जींद जिले की उचाना विधानसभा सीट 2024 चुनावों के वोटों की रिकाउंटिंग पर रोक लगाने की मांग को लेकर एमएलए देवेंद्र अत्री द्वारा लगाई गई याचिका को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। भाजपा विधायक देवेंद्र अत्री की तरफ से बृजेंद्र सिंह की संशोधित याचिका को खारिज करने की मांग की गई थी। बता दें कि उचाना सीट पर भाजपा के देवेंद्र अत्री ने मात्र 32 वोटों से बृजेंद्र सिंह को हराया था। मार्च में बृजेंद्र सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि जो कैंसिल या रिजेक्ट वोट होते हैं, यदि उसका अंतर इलेक्शन की हार-जीत के अंतर से ज्यादा है, तो गिनती खत्म होने के बाद उन सभी कैंसिल वोटों की दोबारा से जांच रिटर्निंग अधिकारी को मौके पर करनी होती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कोर्ट में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति अनूप चिटकारा की अदालत ने 11 सितंबर को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज इस पर निर्णय सुनाते हुए देवेंद्र अत्री की याचिका को खारिज कर दिया है। अब बृजेंद्र सिंह की याचिका पर नियमित सुनवाई शुरू होगी। जिसके लिए 19 सितंबर की डेट लगी है। जिस पर चार्ज फ्रेम करने की कार्रवाई शुरू होगी

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों को लगी गोली, इन वारदातों में शामिल थे आरोपी

रोहतक : देर रात पहरावर करोर रोड पर रोहतक पुलिस की अपराध जांच शाखा नंबर दो व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई,जिसमें दो बदमाशों को गोली लगी है। जिन्हें इलाज के लिए रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया गया ह। मुठभेड़ के दौरान कई

राउंड फायरिंग हुई है। आरोपी बदमाश छोटा सामानिया गैंग से संबंध रखते हैं। बदमाशों के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत मामले दर्ज है। गुरुग्राम में शोरूम से हुए लाखों रुपए के सोने की लूट व हांसी के एक गांव में शराब के ठेके पर फायरिंग करने के मामले में रोहतक जिले के खरेंटी गांव का रहने वाला अंकित वह सोनीपत जिले के गंगाना का रहने वाला आशीष की तलाश में पुलिस जुटी हुई थी। ऐसे में रोहतक अपराध जांच शाखा नंबर दो को सूचना मिली कि दोनों बदमाश बाइक पर सवार होकर पहरावर कारोर रोड पर जा रहे हैं। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें घेर लिया और रुकने का इशारा किया। लेकिन इन दोनों बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की तो एक बदमाश के पैर तथा दूसरे बदमाश के कूल्हे में गोली लगी है। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच करने में जुटी हुई है। देर रात एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना किया।

एशिया कप में आज भारतीय टीम का मुकाबला ओमान से होगा

अबू धाबी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने अंतिम लीग मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने अभी तक अपने दोनो मैच आसानी से जीतकर ग्रुप ए से सबसे पहले सुपर फोर में जगह बनायी है। इससे अब ये मैच भारतीय टीम के लिए औपचारिकता भर रह गया है। ऐसे में वह मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मैच में आराम दे सकती है। बुमराह की जगह अर्शदीप सिंह हो अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई वहीं दूसरे मैच में पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में हराया था। जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम ओमान के खिलाफ पहले मुकाबले से सुपर फोर के लिए अभ्यास करना चाहेगी। उसका लक्ष्य पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी करना रहेगा।

अब तक के मुकाबलों में भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपेक्षा के अनुरूप तेज़ शुरुआत की है पर उनके जोड़ीदार शुभमन गिल को क्रीज पर कुछ समय बिताने की जरूरत है। कप्तान सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह चाहेंगे कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को बल्लेबाजी करने का कुछ और समय मिले।

भारतीय टीम को अब अगले एक सप्ताह में फाइनल सहित चार मैच खेलने हैं। इसे देखते हुए टीम प्रबंधन हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन, शिवम दुबे और अक्षर पटेल को भी बल्लेबाजी का कुछ अवसर देना चाहेगा। अगर ओमान पहले बल्लेबाजी करता है, तो मैच जल्दी समाप्त होना तय है क्योंकि ओमान टीम भारतीय गेंदबाजों का शायद ही सामना कर पाये। पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ भी ओमान की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। दो मैचों में एक भी बल्लेबाज़ 30 से अधिक रन नहीं बना पाया। हम्माद मिर्जा ने पाकिस्तान के खिलाफ 27 रन जबकि आर्यन बिष्ट ने यूएई के खिलाफ 32 गेंदों पर 24 रन बनाए जो इन मैच में उसकी तरफ से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इस मैच में बुमराह को आराम दे सकते हैं। वह भी अगर वह ऐसा करना चाहें। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में चार ओवर गेंदबाजी करने और अच्छी तरह से आराम करने के बाद बुमराह ब्रेक लेना चाहेंगे ये तय नहीं है पर अगर वह लेते हैं तो इससे टीम को अर्शदीप को आजमाने का अवसर मिल जाएगा।

वहींटीम प्रबंधन इस मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव में से किसी एक को आराम देकर हर्षित राणा को भी अवसर दे सकता है। इस मैच में बल्लेबाजी क्रम में भी थोड़ा बदलाव हो सकता है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अब तक नहीं खेला है जिससे उसे लय हासिल करने समय लग सकता है। वहीं ओमान की टीम इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ खेलकर अनुभवी हासिल करना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

ओमान = जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, विनायक शुक्ला, सुफियान यूसुफ, आशीष ओडेडेरा, आमिर कलीम, मोहम्मद नदीम, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, करण सोनावले, जिक्रिया इस्लाम, हसनैन अली शाह, फैसल शाह, मोहम्मद इमरान, नदीम खान, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव।

विश्व चैंपियनशिप फाइनल में नीरज असफल रहे, सचिन यादव ने चौथा स्थान हासिल किया

टोक्यो (एजेंसी)। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा विश्व चैंपियनशिप फाइनल में असफल रहे और आठवें स्थान पर रहे। वहीं भारत के ही सचिन यादव ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। इस टूर्नामेंट में कोई भी अन्य भारतीय एथलीट एथलीट 90 मीटर से आगे नहीं बढ़ पाया, चोपड़ा पांचवें और अंतिम दौर के बाद 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ बाहर हो गए।

वहीं सचिन ने 86.27 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो पहले ही प्रयास में किया। ये उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और उन्होंने नीरज ही नहीं बल्कि जर्मनी के जूलियन वेबर (86.11 मीटर) और ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम (82.75 मीटर) को भी पीछे छोड़ दिया। स्पर्धा का स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने (88.16 मीटर) भाल फेंककर जीता। वहीं ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 87.38 मीटर और कर्टिस थॉम्पसन ने 86.67 मीटर के साथ ही दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं पाकिस्तान के अरशद नदीम भी चौथे दौर में ही बाहर हो गये। चोपड़ा ने 83.65 मीटर से शुरुआत की जिससे वह पांचवें स्थान पर रहे और 84.03 मीटर के साथ इसमें सुधार किया लेकिन तीसरे थ्रो में फाउल कर बैठे।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को एक नया झटका लगा है क्योंकि अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर पाकिस्तान की एशिया कप जर्सी को लेकर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर अतीक-उज-जमान ने पीसीबी अध्यक्ष पर मेन इन ग्रीन के लिए घटिया जर्सी को मंजूरी देने का आरोप लगाया है।

अतीक-उज-जमान ने ट्विटर पर लिखा कि PCB द्वारा ड्राई-फिट किट देने का वादा करने के बावजूद पाकिस्तानी खिलाड़ी अपने मैचों के दौरान खूब पसीना बहा रहे थे। उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तुलना दूसरी टीमों से भी की, जिनकी शर्ट पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के कारण पसीने की एक बूंद भी नहीं थी। पूर्व क्रिकेटर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, 'पाकिस्तानी खिलाड़ी घटिया किट पहनकर पसीना बहा रहे हैं जबकि दूसरे खिलाड़ी सही ड्राई-फिट किट पहनते हैं। ऐसा तब होता है जब टेंडर पेशेवरों को नहीं, बल्कि दोस्तों को मिलते हैं। पसीने से ज्यादा भ्रष्टाचार टपक रहा है।'

गौर हो कि अतीक-उज-जमान 2000 में पाकिस्तान के लिए एक टेस्ट मैच और तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।उनका घरेलू करियर काफी लंबा रहा जिसमें उन्होंने पाकिस्तान कस्टम्स, हबीब बैंक लिमिटेड, कराची ब्लूज, कराची व्हाइट्स, खान रिसर्च लैबोरेटरीज जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व किया। अतीक-उज-जमान ने कोचिंग की ओर रुख किया और फरवरी 2023 तक उन्हें जर्मनी की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। उन्होंने लंकाशायर के सेंट एन्स क्रिकेट क्लब के लिए इंग्लैंड में क्लब क्रिकेट भी खेला।

ध्रुव जुरेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ठोका नाबाद शतक, 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से बनाए 130 से ज्यादा रन

लखनऊ (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के नाबाद 113 रनों की बदौलत भारत 'ए' ने गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन चार विकेट पर 403 रन बनाए। जुरेल के 132 गेंदों में खेली गई पारी (10 चौके और 4 छक्के) के अलावा भारत को कल के बल्लेबाज एन जगदीशन (64), बी साई सुदर्शन (73) के अर्धशतकों और देवदत्त पडिक्कल के नाबाद 86 रनों से भी मजबूती मिली। हालांकि श्रेयस अय्यर (8) अपनी छाप नहीं छोड़ पाए।

भारत 'ए' 129 रनों से पिछड़ रहा था और मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था। इससे पहले सैम कोंस्टास (109) के तेज शतक और जोश फिलिप के नाबाद 123 रनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने 6 विकेट पर 532 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। दोनों टीमें 23-26 सितंबर तक इकाना स्टेडियम में दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के लिए आमने-सामने होंगी, जिसके बाद वे तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए कानपुर रवाना होंगी।

दिन का खेल भारत ए के एक विकेट पर 116 रन से आगे खेलने के साथ शुरू हुआ। जगदीशन और सुदर्शन की कल की जोड़ी ने साझेदारी बनाने की कोशिश की, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। जगदीशन, जिन्हें पिछले महीने इंग्लैंड में टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, 113 गेंदों पर 64 रन (7 चौके, 1 छक्का) बनाकर जेवियर बार्टलेट की गेंद पर फिलिप के हाथों कैच आउट हुए।

मेजबान टीम ने सुदर्शन और पडिक्कल की जोड़ी के साथ 76 रनों की साझेदारी करके पारी को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया। ज्यादातर रन तमिलनाडु के बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन ने बनाए जिन्होंने इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट मैच खेला था, लेकिन पारी के 59वें ओवर में कॉनॉली ने उन्हें पगबाधा आउट कर दिया। भारत ए के कप्तान अय्यर के पास हाल ही में राष्ट्रीय टीम से मिली अनदेखी और अगले महीने की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन होने के बाद अपनी बात साबित करने का एक अच्छा मौका था। अय्यर 62वें ओवर में सिर्फ 8 रन बनाकर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर कोरी रोचिचियोली का शिकार बन गए, जिससे भारत ए को थोड़ी परेशानी हुई। यहीं पर जुरेल और पडिक्कल ने मिलकर पारी को संभाला और स्टंप तक दोनों एक-दूसरे से अलग नहीं हुए। जुरेल और पडिक्कल की पांचवें विकेट के लिए नाबाद 181 रनों की साझेदारी ने भारत ए को खेल खत्म होने तक बढ़त दिला दी, क्योंकि उन्होंने लगभग 4 ओवर प्रति ओवर की अच्छी रन रेट से रन बनाए। पडिक्कल 178 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से नाबाद 86 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे।

सिंधू ने अपना विजय अभियान जारी रखा, चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

शेनझेन (चीन) ।भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए गुरुवार को यहां थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग पर सीधे गेम में जीत के साथ चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अपनी थाई प्रतिद्वंद्वी को 21-15, 21-15 से हराने में सिर्फ 41 मिनट का समय लिया। इस जीत के साथ विश्व बैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सिंधू ने थाई शटलर के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 6-5 का कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त एन से यंग और डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। हाल में हांगकांग ओपन के पहले दौर में बाहर होने वाली सिंधू सीधे गेम में मिली जीत से खुश थीं और उन्होंने कहा कि वह अपनी थाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शुरू से ही सतर्क थीं। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''मैं जीत से खुश हूं और मेरे लिए शुरुआत से ही सतर्क रहना और अपना शत-प्रतिशत देना बेहद ज़रूरी था। वह (चोचुवोंग) एक शीर्ष खिलाड़ी है। मैं इंडोनेशिया ओपन में उसके खिलाफ खेली थी और उस बार भी मुकाबला कड़ा था। पहला गेम जीतने के बाद मैं दूसरे गेम में ज्यादा सतर्क थी। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और मुझे खुशी है कि मैं जीत हासिल करने में सफल रही।' उन्होंने कहा, 'मुझे अब कल के लिए तैयारी करनी होगी। यह अच्छी बात है कि अगर आप पहला गेम जीत जाते हैं तो दूसरे गेम में उसे खत्म कर देते हैं। सीधे गेम में जीत हमेशा आपको आत्मविश्वास देती है। लेकिन आपको लंबे मैचों के लिए भी तैयार रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि आप तेज़ी से आगे बढ़ें।'

विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है लक्ष्य : मीराबाई चानू

अहमदाबाद ।ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू का लक्ष्य अब अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है। चानू ने इसके लिए अभ्यास भी शुरु कर दिया है। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण वह खेल से दूर थीं। हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पेरिस ओलंपिक में खेली थीं। चानू ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है। चानू अब अपनी तकनीक बेहतर बनाने में लगी हैं। जिससे वह स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं लगाएंगी जो अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया है। चानू के अलावा अन्य प्रतियोगियों से भी देश को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

एशिया कप का बॉयकॉट करने से क्यों पीछे हटा पाकिस्तान? पीसीबी प्रमुख ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलों में भी सियासत पीछे नहीं रही है। हाल ही में पाकिस्तान ने एशिया कप 2025 में यूएई के खिलाफ मैच से पहले खूब ड्रामा किया। भारत के खिलाफ 14 सितंबर को हुए हैंडशेक विवाद के बाद पाकिस्तान लगातार आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की अपील कर रहा था। यूएई के खिलाफ मैच के दिन भी पाकिस्तान इस बात पर अड़ा रहा, हालांकि उनकी कोई मांग पूरी नहीं हुई और पाकिस्तान की टीम एक घंटे की देरी के साथ मैच खेलने मैदान पर पहुंची। इस दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी ने नजम सेठी और रमीज राजा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

नकवी ने कहा कि बहिष्कार एक बहुत बड़ा फैसला था और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य प्रमुख सरकारी अधिकारियों के समर्थन के बाद, यह निर्णय लिया गया है कि टीम टूर्नामेंट में बनी रहेगी और यूएई के खिलाफ खेलेगी।

मोहसिन नकवी ने कहा, जैसा कि आप

सभी जानते हैं, 14 सितंबर से एक संकट चल रहा है। हमें मैच रेफरी (एंडी पाइक्रॉफ्ट) की भूमिका पर आपत्ति थी। कुछ देर पहले ही मैच रेफरी ने टीम के कोच, कप्तान और मैनेजर से बात की थी। उन्होंने कहा कि यह घटना (हाथ न मिलाने की घटना) नहीं होनी चाहिए थी। हमने पहले भी आईसीसी से मैच के दौरान हुए आचार संहिता उल्लंघन की जांच कराने का अनुरोध किया था। हमारा मानना है कि राजनीति और खेल साथ-साथ नहीं चल सकते। यह खेल है, और इसे खेल ही रहने देना चाहिए। क्रिकेट को इन सबसे अलग होना चाहिए।

रमीज राजा ने कहा, यह एक गंभीर स्थिति बन गई थी जहां भावनाएं बहुत ज्यादा भड़क रही थीं। मुझे खुशी है कि हमने कोई भावनात्मक फैसला नहीं लिया जिससे क्रिकेट को नुकसान पहुंच सकता था। यह बहुत जरूरी था। अब इस क्रिकेट टीम को जो भी कहना चाहिए, उन्हें इस कहानी को आगे बढ़ाना चाहिए। आपने जो भी भावनाएं महसूस की हैं, उन्हें मैदान पर दिखाएं, दिखाएं कि हम कितने महान क्रिकेट राष्ट्र हैं। मेरी सबसे बड़ी आपत्ति मैच के बाद के प्रेजेंटेशन (भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव द्वारा) में कही गई बातों पर थी। वह संपादकीय ही सबसे महत्वपूर्ण बिंदु था।

अगर (मैच रेफरी की ओर से) माफी माँगी गई है और आई है, तो यह अच्छा है क्योंकि क्रिकेट को क्रिकेट ही रहना चाहिए, वरना इसका कोई अंत नहीं है। जैसा कि मोहसिन साहब ने कहा, जांच होगी ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। दिलचस्प बात यह है कि एंडी पाइक्रॉफ्ट भारत के पसंदीदा मैच रेफरी हैं। जब भी मैं कोई मैच करता हूं (कमेंटेटर के रूप में और टॉस के समय), मुझे लगता है कि पाइक्रॉफ्ट (भारत के मैचों में) एक स्थायी सदस्य हैं। वह 90 बार भारत के मैचों में मैच रेफरी रह चुके हैं। मुझे यह एकतरफा लगता है।

नीदरलैंड के अनीश गिरि नें जीता फीडे ग्रांड स्विस कैंडिडेट में बनाई जगह

समरकंद, उज्बेकिस्तान ।फीडे ग्रांड स्विस 2025 में पुरुष वर्ग का खिताब नीदरलैंड के अनीश गिरि नें अपने नाम कर लिया है साथ ही उन्होने फीडे कैंडिडेट में अपना स्थान पक्का कर लिया है । अनीश नें रोमांचक मुकाबले में यूएसए के नीमन हंस मोके को पराजित करते हुए 8 अंक बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया वहीं 7.5 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर जर्मनी के माथियस ब्लूबम नें दूसरा स्थान हासिल किया और फीडे कैंडिडेट में जगह बना ली वहीं 7.5 अंक बनाने वाले फ्रांस के अलीरेजा तीसरे स्थान पर रहे पर कैंडिडेट में जगह बनाने से चूक गए । भारतीय खिलाड़ियों में तीसरे बोर्ड पर भारत के अर्जुन एरीगैसी और जर्मनी के विंसनेट केमर के बीच , पांचवें बोर्ड पर निहाल सरीन और फ्रांस के मकसीम लागरेव के बीच और सातवें बोर्ड पर विदित गुजराती और यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा के बीच बाजी बेनतीजा रही और भारतीय खिलाड़ियों में से कोई भी इस बार कैंडिडेट में ग्रांड स्विस के जरिये जगह नहीं बना पाया । अंक तालिका में 7 अंक बनाकर अर्जुन छठे निहाल नौवे और विदित 15वें स्थान पर रहे । प्रज्ञानन्दा अपना आखिरी मैच ड्रॉ खेलकर 35वें स्थान पर रहे । वहीं बेहद खराब लय से जूझने के बाद विश्व चैम्पियन डी गुकेश अपने आखिरी मैच में जीतकर 6 अंक बनाकर 41वें स्थान पर रहे । पुरुष वर्ग में फीडे कैंडिडेट में अब तक यूएसए के फबियानों करूआना , अनीश और ब्लूबम पहुँच गए है जबकि तीन स्थान अगले माह भारत में होने जा रहे विश्व कप से , एक स्थान फीडे की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग से और एक फीडे सर्किट 2025 के विजेता से भरा जाएगा ।

गांगुली दूसरी बार बनेंगे कैब अध्यक्ष

कोलकाता ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का एक बार फिर बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) का अध्यक्ष बनना तय है। गांगुली कैब अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार है। ऐसे में उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। वह दूसरी बार ये पद संभालेंगे। इससे पहले वह 2015 से 2019 तक इस पद पर रहे हैं। कैब के चुनाव 22 सितंबर को होने वाले हैं। इसमें गांगुली के साथ-साथ उनके पैनल के दूसरे सदस्यों का भी निर्विरोध चुना जाना तय है। उनके पैनल में उपाध्यक्ष के लिए नितीश रंजन दत्ता, सेक्रेटरी के लिए बबलू कोले, जॉइंट सेक्रेटरी के लिए मदन घोष और कोषाध्यक्ष के लिए संजय दास का नाम शामिल है। गांगुली अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की कैब अध्यक्ष पद संभालेंगे। जो 2019 से इस पद पर थे। गांगुली 2019 से 2022 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष भी रहे हैं। बीसीसीआई के आगामी चुनावों के लिए भी अध्यक्ष के तौर पर भी उनका नाम आ रहा है। इसका कारण है कि बंगाल बोर्ड ने उन्हें अपना प्रतिनिधि बनाया है।

फीफा विश्व रैंकिंग: स्पेन 2014 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। जून और जुलाई में पहले फीफा क्लब विश्व कप की शानदार सफलता के बाद एक अंतराल के बाद, पुरुषों की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता इस महीने की शुरुआत में अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका में फीफा विश्व कप 26 क्वालीफायर की एक श्रृंखला के रूप में वैश्विक मंच पर धमाकेदार वापसी कर रही है।

फीफा/कोका-कोला पुरुष विश्व रैंकिंग के अंतिम बार अपडेट होने के बाद से, दुनिया भर में 200 से ज्यादा प्रासंगिक राष्ट्रीय टीमों के मैच खेले जा चुके हैं, जिनका रैंकिंग पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। सबसे बड़ा बदलाव शीर्ष पर हुआ है, जहां यूईएफए यूरो 2024 विजेता स्पेन एक स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंच गया है, यह एक ऐसा स्थान है जो उन्होंने जून 2014 के बाद से पुरुष वर्ग में हासिल नहीं किया था।

इस प्रक्रिया में उन्होंने लंबे समय से शीर्ष पर चल रहे अर्जेंटीना (तीसरे, 2 स्थान नीचे) को हटा दिया है, जो अप्रैल 2023 से इस स्थान पर था। मौजूदा विश्व चैंपियन को पछाड़ने में ऊंचे स्थान पर चल रहे स्पेन के साथ, वह टीम भी शामिल है जिसे अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2022 के फाइनल में हराया था, फ्रांस (दूसरे, 1 स्थान ऊपर)। थोड़ा और नीचे, पुर्तगाल, क्रोएशिया और इटली सभी एक स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः 5वें, 9वें और 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे ब्राजील (छठे, 1 स्थान नीचे) और जर्मनी (12वें, 3 स्थान नीचे) को हुए नुकसान का पूरा फायदा उठाया जा रहा है।

जर्मनी के लिए, फीफा विश्व कप 26 के अपने पहले क्वालीफायर में स्लोवाकिया से मिली हार से नुकसान हुआ है और अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार वे शीर्ष 10 से बाहर हैं। मोरक्को (11वें स्थान पर, 1 अंक ऊपर) अब शीर्ष 10 से बाहर पीछा करने वाली टीमों में सबसे आगे है, जिसने जुलाई में रैंकिंग के पिछले संस्करण के बाद से अपने नौ में से आठ मैचों में जीत हासिल की है। कुल मिलाकर सबसे ज्यादा चढ़कर स्लोवाकिया (42वें स्थान पर, 10 स्थान ऊपर) रहा है, जिसने अपने विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत लगातार दो जीतों से की थी - जिसमें जर्मनी को हराने वाली जीत भी शामिल है - और उसे शीर्ष 50 में वापस स्थान मिला है।

सभी टीमें कम से कम पांच स्थान ऊपर पहुंची हैं, गाम्बिया (115वें स्थान पर, 8 स्थान ऊपर), मेडागास्कर (108वें स्थान पर, 7 स्थान ऊपर), पैराग्वे (37वें स्थान पर, 6 स्थान ऊपर), युगांडा (82वें स्थान पर, 6 स्थान ऊपर), लीबिया (112वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर), सूरीनाम (131वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर) और फरो आइलैंड्स (136वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर) अन्य प्रमुख टीमें हैं।

फ़ीफ़ा विश्व कप 26 के सह-मेजबान कनाडा (26वें स्थान पर, 2 स्थान ऊपर) और यूईएफए के उभरते हुए कोसोवो (91वें स्थान पर, 4 स्थान ऊपर) ने भी दो और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। रैंकिंग के पिछले संस्करणों में सर्वकालिक उच्चतम स्तर हासिल करने के बाद, दोनों टीमें लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

एशिया कप के ड्रामे के बीच एसीसी ने अधूरी वार्षिक आम बैठक फिर से बुलाई

दुबई : पिछले कुछ दिनों में दुबई और लाहौर में मैदान के अंदर और बाहर खेला गया एशिया कप का नाटकीय घटनाक्रम अब इस महीने के अंत में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक के दौरान बोर्डरूम में स्थानांतरित हो सकता है। एसीसी की वार्षिक आम बैठक, जिसे कुछ महीने पहले ढाका में अचानक स्थगित कर दिया गया था, अब 30 सितंबर को दुबई में पुनर्निर्धारित की गई है। एशिया कप फाइनल के दो दिन बाद होने वाली इस बैठक में, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी करेंगे, जोरदार हंगामा होने की उम्मीद है - मौजूदा चैंपियनशिप से जुड़े मुद्दों और ढाका में 24 जुलाई को होने वाली बैठक में अधूरे रह गए कार्यों को लेकर। एजीएम का एजेंडा अभी जारी नहीं किया गया है, लेकिन एशिया कप ने पहले ही कई मुद्दे सामने ला दिए हैं - हाथ मिलाने का विवाद, मैच रेफरी विवाद और पाकिस्तान के हटने की धमकी - जिन पर विचार-विमर्श किया जाना है। एक और विवाद भी छिड़ सकता है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि एशिया कप कौन जीतता है, ट्रॉफी कौन प्रदान करता है, और समारोह का आयोजन कैसे होता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से कौन भाग लेगा, यह भी एक कारक हो सकता है। महिला वनडे विश्व कप उसी दिन गुवाहाटी में शुरू हो रहा है, और बीसीसीआई सदस्यों के उद्घाटन समारोह में व्यस्त रहने की उम्मीद है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि एसीसी बैठक में बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसे नामित किया जाता है। यह निर्णय दो दिन पहले, 28 सितंबर को मुंबई में बीसीसीआई की अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में लिया जाएगा। वर्तमान में, राजीव शुक्ला और आशीष शेलार एसीसी में बीसीसीआई के नामित प्रतिनिधि हैं। दोनों ने ढाका बैठक में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया था। 30 सितंबर के एजेंडे में सबसे महत्वपूर्ण विषय एसीसी अध्यक्ष का चुनाव होगा।

07 नवंबर को दस्तक देगी सोनाक्षी की साउथ डेब्यू फिल्म जटाधरा

सिनेमा के प्रेमियों के लिए इस साल की आखिरी तिमाही काफी दिलचस्प होने वाली है। अक्तूबर से लेकर दिसंबर तक कई दिलचस्प फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। फिल्मों की इस सूची में सोनाक्षी सिन्हा की पहली साउथ फिल्म जटाधरा का नाम भी जुड़ गया है, जो इस साल नवंबर में रिलीज होगी। हिंदी और तेलुगु भाषा में होगी रिलीज मेकर्स ने आज फिल्म जटाधरा की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट के जरिए फिल्म का टीजर वीडियो साझा किया है। इसके साथ बताया है कि यह फिल्म 07 नवंबर 2025 को रिलीज होगी। फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में दस्तक देगी।

यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। रिलीज डेट के साथ इसका कैप्शन लिखा है, अंधकार की गहराइयों के बाद एक उदय जरूर होता है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की जोड़ी देखने को मिलेगी, जिसके लिए दर्शक उत्साहित हैं। फिल्म में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।

दर्शकों ने जताई खुशी

फिल्म के निर्देशन की कमान अभिषेक जयसवाल और वेंकट कल्याण ने संभाली है। वहीं, उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा मिलकर इसका निर्माण कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट के एलान पर दर्शक उत्साहित हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, इस जादुई फिल्म का इंतजार है। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

बॉलीवुड आउटसाइडर्स के लिए बिल्कुल बंद था मैं किसी तरह कामयाब हुई

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड ही नहीं, अब हॉलीवुड में भी एक बड़ा नाम बन चुकी हैं। आज वो विदेशों में किसी फिल्मी इवेंट में जब पहुंचती हैं तो वहां के लोगों में उन्हें लेकर गजब की दीवागनी देखी जा सकती है। हालांकि, उनके लिए यहां तक पहुंचने का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। बतौर आउटसाइडर्स उन्होंने इस राह में जो कुछ झेला, उसकी कहानी उन्होंने सुनाई भी है। उन्होंने हाल ही में अपने स्ट्रगल की कहानी फिर सुनाई है और कहा है कि इस ने हाल ही में बताया कि पीढ़ी दर पीढ़ी एक्टर्स और फिल्म प्रड्यूसर्स के दबदबे वाली इंडस्ट्री में जगह बनाना कितना मुश्किल था। प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि इन्हीं अनुभवों ने उन्हें अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू करने के लिए प्रेरित किया। हाल ही में एक इवेंट में बोलते हुए प्रियंका ने कहा कि उन्होंने बॉलीवुड में एक आउट साइडर के रूप में अपने सफर पर बातें की। उन्होंने 2015 में पर्पल पेबल पिक्चर्स लॉन्च किया था।

आउटसाइडर्स के लिए बिल्कुल बंद था

बॉलीवुड में उन्होंने कैमरे के पीछे जाने का फैसला क्यों किया, इस बारे में बात करते हुए प्रियंका ने कहा, मैंने साल 2000 में ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीता और इस तरह मुझे फिल्मों में आने का मौका मिला और मैं इसमें आगे बढ़ गई। और मैंने भारतीय फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया। भारत में हिंदी और तमिल फिल्मों में... ये साल 2002 की बात है, लेकिन बॉलीवुड इंडस्ट्री एक तरह से... कम से कम आउटसाइडर्स के लिए बिल्कुल बंद था।

मुझे असफल होना पसंद नहीं है

उन्होंने आगे कहा, एक्टर्स पीढ़ी दर पीढ़ी, निर्देशक पीढ़ी दर पीढ़ी और निर्माता भी ऐसे ही होते हैं। इसलिए जब आप इंडस्ट्री में कदम रखना चाहते हैं और कास्ट होना चाहते हैं तो ये आसान नहीं होता, लेकिन किसी तरह मैंने इसमें सफलता हासिल की। मैं काफी एम्बिशियस थी। मुझे असफल होना पसंद नहीं है।

मैं लगातार कोशिश करती रही

उन्होंने कहा, मैं लगातार कोशिश करती रही। मैं किसी तरह कामयाब हुई। और फिर पर्पल पेबल पिक्चर्स मेरे लिए वो जगह बनाने का जरिया बन गया जो मेरे पास पहले कभी नहीं था। प्रियंका ने बताया कि उनका उद्देश्य उन फिल्ममेकर्स और लेखकों के लिए अवसर पैदा करना है, जिन्हें बड़े बजट की फिल्मों में मौका नहीं मिलता और उन छोटी फिल्मों को सपोर्ट करना है जिन्हें पहचान मिलनी चाहिए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी 29 के साथ भारतीय फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

मैं दुनिया भर के एंटरटेनमेंट के लिए एक ऐसा माध्यम बनना चाहती थी...

प्रियंका ने कहा, मैं दुनिया भर के एंटरटेनमेंट के लिए एक ऐसा माध्यम बनना चाहती थी जिससे उन्हें वह प्रसिद्धि मिल सके जिसकी वे चाहत रखते हैं। मुझे उन फिल्मों पर बहुत गर्व है जिनसे हम जुड़े रहे हैं और जिन्हें हमने समय के साथ बनाया है। उन्हें शानदार प्रतिक्रिया मिली है और उन्होंने वह प्रसिद्धि पाई है जिसके वे हकदार थे।

मैडम सपना हर महिला की कहानी है

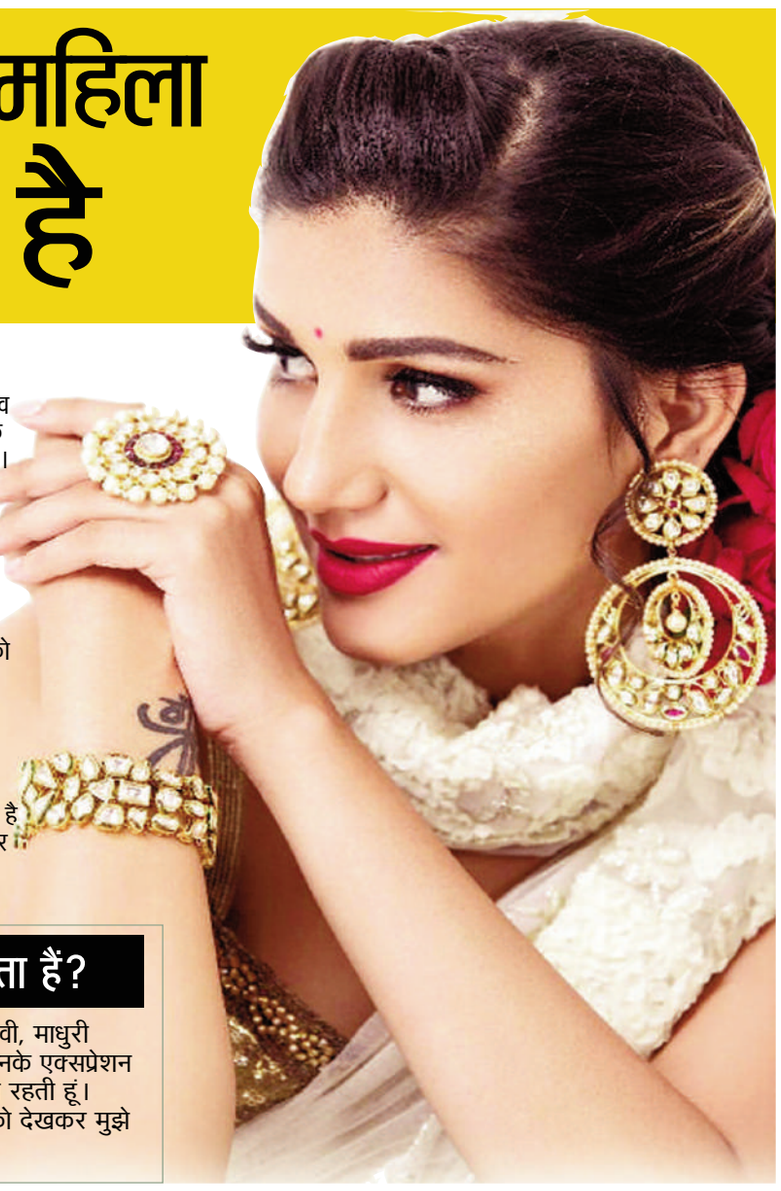

सपना चौधरी के जीवन की कहानी जल्द ही बड़े परदे पर दिखेगी। इसे महेश भट्ट की गाइडेंस में विनय भारद्वाज लेकर आ रहे हैं। अपनी बायोपिक को लेकर सपना ने खास बातचीत की...

मुझे मुंबई से बहुत बड़े-बड़े प्रोडक्शन हाउस से ऑफर आ रहे थे। उन लोगों ने मुझे अपना प्वाइंट ऑफ व्यू बताया कि वो मेरे ऊपर किस तरह से फिल्म बनाना चाहते हैं। जब मैंने उन सबको सुना तो मुझे एहसास हुआ कि किसी को पैसे कमाने थे। कोई मेरी लाइफ में फिक्शन डालना चाहता था। मतलब सबका कोई ना कोई अपना मकसद था। ऐसे में मैंने विनय भारद्वाज को कॉल किया। आप मैंने उन्हें कॉल करके कहा कि भाई बायोपिक बनाएंगे? उन्होंने पूछा कि किसकी मुझे ऐसे ऑफर्स मिले हैं हैं तो उन्होंने कहा कि बायोपिक बनानी है? मैंने उन्हें बताया कि बिल्कुल बनाएंगे।

टीजर पर लोगों का बहुत पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। मेरा कहना है कि ये सिर्फ डांसर की कहानी नहीं है। इस फिल्म को बिल्कुल भी ऐसे नहीं देखा जाना चाहिए। ये हर महिला की कहानी है। जो घर संभाला रही है, जो ऑफिस में काम कर रही है, जो डांस कर रही है या जो बच्चे संभाला रही है। इस फिल्म को हर महिला को देखनी चाहिए कि आप खुद को कैसे प्रोटेक्ट कर सकती हैं। नरभक्षी हर जगह हैं। आपके घर में, बाहर, ऑफिस में हर जगह मौजूद हैं। इस फिल्म में बताया गया है कि जब एक औरत लड़ती है तो किस हद तक जाती है। मैं और मेरी मां हम लड़े हैं, लड़ते आए हैं और लड़ते ही रहेंगे।

बॉलीवुड में आपको कौन इंस्पायर करता हैं?

बॉलीवुड की तीन महिलाओं ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित और ऐश्वर्या राय। इनका काम मुझे प्रभावित करता है। इनके एक्सप्रेशन और डांस ने मुझे मोटिवेट किया है। मैं इन तीनों का काम देखते रहती हूं। इंटरनेशनल आर्टिस्ट में मुझे शकीरा बहुत पसंद हैं। इन सभी को देखकर मुझे अपनी कला को और निखारने की प्रेरणा मिलती है।

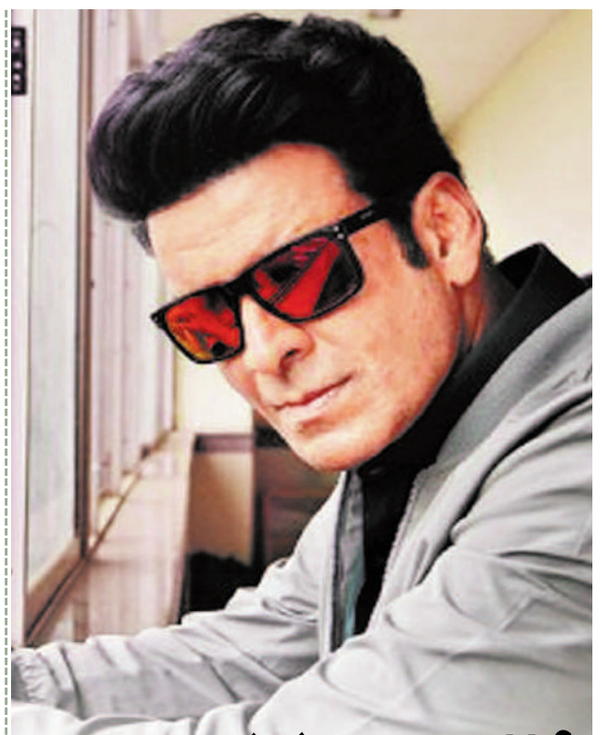

शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर हुई तुलना

पुरस्कार विश्वसनीयता खो रहे हैं

अभिनेता मनोज बाजपेयी की दो हफ्तों में दो फिल्में रिलीज हुई हैं। एक ओर 'इंस्पेक्टर जेंडे' ओटीटी पर रिलीज हुई है। वहीं दूसरी ओर 'जुगनुमा- द फेबेल' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है। दोनों ही फिल्मों को क्रिटिक्स ने काफी सराहा भी है। अब मनोज बाजपेयी ने शाहरुख खान को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर प्रतिक्रिया दी है। क्योंकि रेस में मनोज बाजपेयी भी 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए थे। शाहरुख खान के 'जवान' फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने पर छिड़ी बहस में कई लोगों का कहना था कि शाहरुख की जगह मनोज बाजपेयी 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए नेशनल अवॉर्ड के हकदार थे। अब इस तरह की तुलनाओं पर मनोज बाजपेयी ने चुप्पी तोड़ी है। बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने इस पूरे मुद्दे पर कहा कि यह एक बेकार बातचीत है क्योंकि यह अब खत्म हो चुकी है। जहां तक 'सिर्फ एक बंदा काफी है' की बात है, तो हां यह मेरी फिल्मोग्राफी में एक बहुत ही खास फिल्म है और 'जोरम' भी। लेकिन मैं इन बातों पर चर्चा नहीं करता क्योंकि यह एक बहुत ही बेकार बातचीत है। यह अतीत की बात है और इसे यूं ही छोड़ देना चाहिए।

अभिनेता ने भारत में फिल्म पुरस्कारों के बदलते स्वरूप पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत कई पुरस्कार व्यावसायिक आकर्षण के चक्कर में अपनी विश्वसनीयता खो रहे हैं। उन्हें गंभीरता से सोचना चाहिए कि वे कैसे काम कर रहे हैं। क्योंकि यह मेरे सम्मान की बात नहीं है। मैं फिल्म चुनते समय अपने सम्मान का बहुत ध्यान रखता हूं। लेकिन हर संस्था को अपने बारे में सोचना होता है। यह मेरा काम नहीं है। मुझे लगता है कि मेरे लिए अवॉर्ड फंक्शन का विचार गलत है। यह आपके घर की सजावट का एक छोटा सा हिस्सा है। हर रोज आप इसके सामने खड़े होकर यह नहीं कहेंगे, वाह, मैंने यह कर दिखाया।

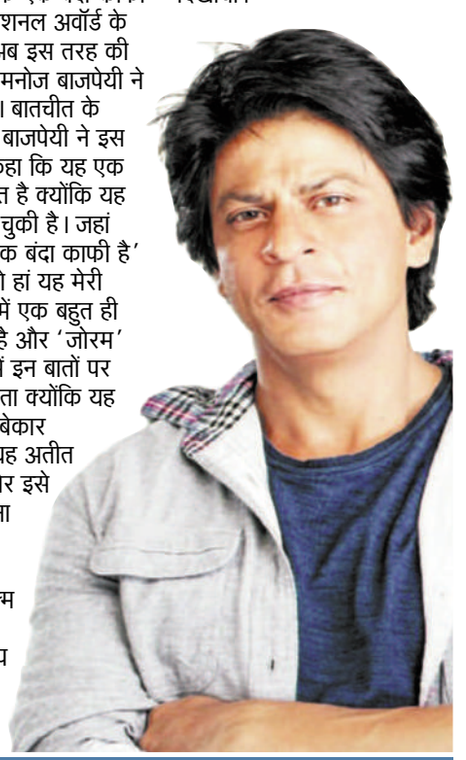

चार नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं मनोज

इस साल शाहरुख खान को उनकी फिल्म 'जवान' के लिए उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड मिला है। वहीं मनोज बाजपेयी अब तक चार बार राष्ट्रीय अवॉर्ड अपने खाते में कर चुके हैं। मनोज बाजपेयी को 'सत्या', 'पिंजर', 'अलीगढ़' और 'भोंसले' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है।

ओजी में दिखेगा इमरान हाशमी का जलवा

साउथ फिल्मों में डेब्यू चुके हैं कई स्टार्स

बॉलीवुड के कई स्टार्स साउथ फिल्मों में भी अभिनय का तड़का लगा चुके हैं। कियारा आडवाणी से लेकर जान्हवी कपूर तक साउथ फिल्मों में अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। वहीं अब इमरान हाशमी फिल्म दे कॉल हीम ओजी से अपना साउथ डेब्यू करने वाले हैं। इमरान हाशमी की आगामी फिल्म दे कॉल हिम ओजी 25 सितंबर, 2025 को रिलीज होने वाली है। यह इमरान की पहली साउथ डेब्यू फिल्म है। इस फिल्म में पवन कल्याण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में पवन कल्याण और इमरान हाशमी के अलावा प्रियंका अरुल मोहन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इमरान हाशमी विलेन की भूमिका में नजर आ सकत हैं। फिल्म में अर्जुन दास, श्रीया रेड्डी, हरीश उथमन, प्रकाश राज, शाम जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत थमन दे तैयार किया है।

बॉबी देओल

फिल्म कंगुवा 2024 में रिलीज हुई थी। कंगुवा बॉबी देओल की पहली तमिल फिल्म थी। बॉबी देओल ने तमिल पीरियड एक्शन ड्रामा कंगुवा में नकारात्मक भूमिका निभाई थी। यह सूर्या की सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक है। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। फिल्म में सूर्या दोहरी भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में बॉबी और सूर्या के अलावा दिशा पटानी, नट्टी सुब्रमण्यम, केएस रविकुमार, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, रवि राघवेंद्र और करुणास ने भी अहम भूमिका निभाई हैं। इसके अलावा बॉबी साउथ एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी ने फिल्म भारत अने नेनु से साउथ में डेब्यू किया था। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कियारा के साथ साउथ एक्टर महेश बाबू ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के अलावा कियारा एक्टर राम चरण के साथ साउथ फिल्म गेम चेंजर में भी नजर आ चुकी हैं।

जान्हवी कपूर

जान्हवी ने फिल्म देवरा - भाग 1 से साउथ की फिल्मों में डेब्यू किया। यह फिल्म 2024 में रिलीज हुई थी। इस तेलुगु भाषा की एक्शन ड्रामा फिल्म को कोरटाला शिवा ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में एनटी रामा राव जूनियर दोहरी भूमिकाओं में हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी के अलावा फिल्म में सैफ अली खान, प्रकाश राज, श्रीकांत और शाइन टॉम चाको ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह इस फिल्म का पहला भाग था। अब इस फिल्म का दूसरा भाग भी आएगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।